डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-8

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः RRR की बॉक्स ऑफिस सक्सेस पर बोलीं कंगना रनोट

वर्ष -08 अंक -27 | प्रयागराज, गुरूवार 31 मार्च, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई इलाके भीषण गर्मी से परेशान, जानें आगे क्या रहने वाला है हाल

नई दिल्ली । दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई इलाके भीषण गर्मी से परेशान हैं। पारा 40 डिग्री सेल?सियस के आसपास छू रहा है। मौसम विभाग की मानें तो आगे भी कुछ दिनों में हालात ऐसे ही रहने वाले हैं। गर्मी ज्यादा पड़ने के पीछे बारिश का न होना वजह बताई जा रही है। गर्मी से सबसे बुरा हाल राजस्थान का है। राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में लोगों को गर्म हवाओं और लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान में तो हालात बहुत ज्यादा खराब हैं। ज्यादातर इलाकों में भीषण गर्मी पड़ रही है। आगे भी राहत के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य और पश्चिम भारत में अभी अगले 4-5 दिनों में यही स्थिति रहने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक, लंबे समय तक शुष्क मौसम के कारण उत्तर पश्चिम भारत में गर्मी बढ़ गई है। अगले चार से पांच दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम, मध्य और पश्चिम भारत में लू चलने का अनुमान है। आईएमडी के मुताबिक मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा या सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होने पर गर्म हवाओं को 'लू' घोषित किया जाता है। सामान्य से 6.4 डिग्री अधिक तापमान होने पर 'भीषण लू' की घोषणा की जाती है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली का आज का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस, जबकि अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। हीट वेव के आसार हैं।

यूक्रेन से जंग के बीच भारत आ रहे रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव जानें- क्या हैं इसके बड़े मायने

नई दिल्ली । यूक्रेन से जारी जंग के बीच आज रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत की यात्रा पर आ रहे हैं। उनका ये दौरा दो दिन का है। इस दौरान उनकी मुलाकात भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी होगी। उनका ये दौरा बेहद खास माना जा रहा है। इसकी भी कुछ खास वजह हैं। दरअसल, उनका ये दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब यूक्रेन से जारी रूस की जंग को दूसरा माह चल रहा

है। इस बीच दोनों देशों के बीच अब तक कई दौर की बातचीत अलग अलग स्तर पर अलग-अलग जगहों पर हो चुकी है, लेकिन इसका कोई भी नतीजा नहीं निकला है। हालांकि बीते दिनों तुर्की में हुई बातचीत के बाद कुछ पाजीटिव बातें जरूर सामने आई हैं जिसके बाद समाधान के जल्द निकलने की उम्मीद जताई जा रही है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का दौरा इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि रूस और यूक्रेन के बीच की जंग को लेकर भारत पर लगातार अमेरिका का दबाव बना हुआ है। बता दें कि भारत ने इस मुद्दे पर हर बार विभिन्न मंचों पर, चाहे वो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में रूस के खिलाफ लाया गया मतदान हो या फिर उसके खिलाफ प्रस्ताव हो या फिर संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में रूस के खिलाफ लाया गया प्रस्ताव हो, सभी से दूर रहकर अपने तटस्थ बने रहने का साफ संकेत दिया है। पिछले सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत को लेकर यहां तक कहा था कि इस मुद्दे पर अमेरिका के सभी सहयोगी उसके साथ हैं लेकिन भारत का रवैया इस मुद्दे पर गोलमोल रहा है। आपको यहां पर ये भी बताना जरूरी होगा कि जब इस जंग की शुरुआत हुई थी तभी भारत की तरफ से रूस को एक बात स्पष्ट रूस से कही गई थी कि भारत को यूक्रेन में मौजूद अपने नागरिकों की सुरक्षा की चिंता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संबंध में सीधे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात भी की थी, जिसके बाद रूस ने न सिर्फ भारत को अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए समय दिया था बल्कि सुरक्षित कारिडोर भी मुहैया करवाया था। रूस के इस सहयोग के बाद भारत के रेस्क्यू आपरेशन में काफी तेजी भी आई थी। बता दें कि भारत और रूस के संबंध काफी पुराने और मजबूत रहे हैं। माना जा रहा है कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव अपने इस दौरे में भारत का उसके तटस्थ रवैये को लेकर धन्यवाद दे सकते हैं। इसके अलावा भविष्य में भारत और रूस के आपसी सहयोग पर भी दौरान बातचीत हो सकती है। आपको बता यूएनएससी और यूएनजीए में रूस के खिलाफ लाए प्रस्ताव पर भारत के वोटिंग में हिस्सा न लेने का रूस ने स्वागत किया था और इसके लिए भारत का धन्यवाद भी किया था। भारत ने इस संबंध में अपना स्पष्ट रुख कायम रखा है। भारत का कहना है कि वो दोनों ही पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस मसले का समाधान चाहता है। यहां पर ये भी जानना बेहद जरूरी है कि भारत रूस का न सिर्फ रणनीतिक सहयोगी है बल्कि व्यापारिक दृष्टि से भी काफी अहम साझेदार है। भारत अपनी तेल की जरूरत का एक बड़ा रूस से खरीदता है। हालांकि, बीते कुछ समय में अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से इसमें कमी जरूर आई है लेकिन इसके बाद भी भारत ने पूरी तरह से रूस का साथ कभी नहीं छोड़ा है। अमेरिका के लिए हमेशा से ही ये चिंता की बात रही है। पिछले दिनों पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने इसका जिक्र अपनी एक रैली में भी किया था। इमरान खान का कहना था कि भारत प्रतिबंधों के बाद भी रूस से रियाअती दरों पर तेल खरीद रहा है। ये भारत की बेहतर विदेश नीति का ही नतीजा है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों के खिलाफ सांसदों का प्रदर्शन आज भारत आएंगे रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध का आज 36वां दिन है। 36 दिन के बाद भी रूस लगातार यूक्रेन के शहरों को निशाना बना रहा है। इस बीच अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने अपने बयान में कहा है कि रूस ने चेरनोबिल से अपने सैनिकों को स्थानांतरित

करना शुरू कर दिया है। वो यहां से हट कर बेलारूस के ओर जा रहे हैं। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भारतीय विदेश मंत्री डा एस जयशंकर से बात की। साथ ही उनके बीच द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही देश भर में आज फिर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि हुई है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि जब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं। तब हर चीज के दाम बढ़ते हैं। जब दुनिया में कच्चे तेल के दाम सबसे कम थे तब भी यह सरकार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा रही थी। 101 रुपये का तेल भराने में 52 रुपये सरकार के पास एक्साइज टैक्स के रूप में जा रहे हैं। देशभर में पेट्रोल-डीजल के दाम दिन भर दिन बढ़ते जा रहे हैं। इसी बीच सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस भी एक्टिव मोड में आ गई है। आज कांग्रेस के कई सांसद विजय चौक पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि इस प्रदर्शन में राहुल गांधी भी शामिल हुए हैं। कांग्रेस ने इसके साथ ही देशभर में बढ़ती कीमतों के विरोध का आह्वान किया है। प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने सरकार को घेरते हुए कहा कि पिछले 10 दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम 9 गुना बढ़ चुके हैं और सरकार हाथ धरे बैठी है। उन्होंने कहा कि हम मांग करते हैं कि बढ़ती कीमतों को नियंत्रण में लाया जाए। कांग्रेस नेता ने साथ ही कहा कि पार्टी इस मुद्दे पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। प्रदर्शन के दोरान कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस ने पहले ही सरकार की मंशा को लेकर संदेह जताया था। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस सरकार के खिलाफ अब पूरे देश में प्रदर्शन करेगी। वहीं वहां मौजूद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के चलते ही दामों में बढ़ोतरी नहीं हो रही थी और जनता को हमने पहले ही बता दिया था बता दें कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज फिर बढ़ौतरी हुई है, दामों में 80 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया गया है।

देश के लिए जान न्योछावर करने वाले सैनिकों को शहीद न कहे जाने का यह है कारण सरकार ने बताई वजह

नई दिल्ली। देश के लिए अपनी जान तक कुर्बान कर देने वाले भारतीय सशस्त्र बल को शहीद का दर्जा नहीं दिया जाता है। इसे एक बार फिर स्पष्ट करते हुए सरकार ने संसद में कहा है कि संघर्ष या आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान जान गंवाने वाले

सैनिकों के लिए 'शहीद' शब्द का इस्तेमाल नहीं होता है। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस के सांसद शांतनु सेन ने इस सवाल को संसद में उठाया था जिसके जवाब में रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने इसके इस्तेमाल को गलत बताया है। बता दें कि सरकार ने इसके लिए सेना का ही हवाला दिया है। सरकार के अनुरार सैनिक को शहीद का कहने के लिए खुद सेना ने अपने सभी कमांड को पत्र लिखकर मना किया है। सेना के पत्र के अनुसार सैनिक के इस बलिदान को 'मार्टर' या 'शहीद' कहना गलत है। सेना का मानना है कि 'शहीद' शब्द का इस्तेमाल उसके लिए किया जाता है जिसकी मृत्यु किसी सजा के तौर पर हुई हो या जिसने धर्म के लिए त्याग करने से मना कर दिया हो अथवा वह आदमी अपनी राजनीतिक या धार्मिक सोच के लिए मारा गया हो। पत्र में आगे कहा कि जवानों ने देश की एकता और क्षेत्रीय अखंडता तथा संविधान की रक्षा के लिए कई बार अपनी गवाई है और भारतीय सशस्त्र बल हमेशा से धर्मनिरपेक्ष और गैर-राजनीतिक रहे हैं। गौरतलब है कि सेना द्वारा जारी इस पत्र में जान गवाने वाले इन सभी जवानों के लिए कुछ शब्दों के इस्तेमाल का सुझाव भी दिया गया है। देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए कुर्बानी देने वाले सैनिकों को लिए छह शब्दों के इस्तेमाल का सुझाव दिया गया है। इनमें किल्ड इन एक्शन (कार्रवाई के दौरान मृत्यु), सुप्रीम सेक्रिफाइज फार नेशन (देश के लिए सवीच्च बलिदान), लेड डाउन देयर लाइफ्स (अपना जीवन न्यौछावर करना), फालन हीरोज (लड़ाई में मारे गए हीरो), इंडियन आर्मी ब्रेव्स (भारतीय सेना के वीर), फालन सोल्जर्स (आपरेशन में मारे गए सैनिक) शामिल है।

राहुल गांधी का पाठ भी न आया काम, हरियाणा कांग्रेस में फिर कलह, कुलदीप बिश्नोई व हुड्डा के करीबी नेता टकराए

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस के नेताओं पर पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की एकजुटता के पाठ का बस कुछ ही दिन असर रहा। राहुल गांधी के साथ बैठक के चंद दिनों बाद ही राज्य के कांग्रेस नेताओं में टकराव शुरू हो गया है। अब पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के करीबी नेता कुलदीप शर्मा और कुलदीप बिश्नोई आमने-सामने हैं। दरअसल बिश्नोई अपने पिता की तरह गैरजाट नेता के रूप में स्थापित होना चाहते हैं और हुड्डा खेमा को यह बाात रास नहीं आ रही। दरअसल, राहुल गांधी से एकजुटता का मंत्र लेकर लौटे पार्टी दिग्गजों की आपसी कलह कम होने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस के सदस्यता अभियान को लेकर हुड्डा और सैलजा खेमों में चल रही खींचतान के बीच अब कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य कुलदीप बिशनेई और पूर्व विधानसभा स्पीकर कुलदीप शर्मा के बीच तकरार सामने आई है। दोनों कुलदीप कांग्रेस में गैर जाट की राजनीति करते है। कुलदीप बिशनेई ने करनाल में रैली कर जहां कांग्रेस हाईकमान को अपनी ताकत दिखाई है, वहीं कुलदीप शर्मा ने खुद को मुख्यमंत्री के रूप में पेश करने वाले नेताओं पर कार्रवाई की जरूरत बताई है। हिसार व भिवानी के सांसद रह चुके आदमपुर के विधायक कुलदीप बिशनेई ने लंबे गैप के बाद करनाल से से अपने राज्य स्तरीय जन जागरण अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के लिए कुलदीप

बिश्नोई ने रोहतक के योगेंद्रनाथ मल्होत्रा के नेतृत्व में एक पचास सदस्यीय समन्वय समिति बनाई है, जो पूरे प्रदेश में उनके कार्यक्रम तय करेगी। करनाल से कुलदीप बिश्नोई के पिता पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल सांसद रह चुके हैं। यहां से मुख्यमंत्री मनोहर लाल विधायक हैं। इसलिए कुलदीप ने अपने जन जागरण अभियान की शुरुआत करनाल से कर हाईकमान को तो अपना कद दिखाया ही, साथ ही भाजपा को भी चुनौती दी है। कुलदीप बिशनेई ने करनाल में रैली कर पार्टी हाईकमान व अपने राजनीतिक विरोधियों को यह संदेश देने की कोशिश की है कि भजनलाल का परिवार हिसार से बाहर भी अपना पूरा वजूद रखता है। कुलदीप को जाट नेतृत्व के रूप में भूपेंद्र सिंह हुड्डा की लीडरशिप स्वीकार नहीं है। वह पार्टी में गैर जाट के नाम से खुद की अलग लकीर खींचकर चल रहे हैं। बिश्नोई के करीब नेताओं का दावा है कि कांग्रेस हाईकमान को कुलदीप की यह लकीर रास आ रही है। दूसरी ओर करनाल से चूंकि भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बेहद भरोसेमंद साथी पूर्व विधानसभा स्पीकर कुलदीप शर्मा लोकसभा की सीट के प्रबल दावेदार हैं, इसलिए कुलदीप शर्मा ने बिशनेई की नई रणनीति पर सवाल उठाए हैं। कुलदीप शर्मा ने लगे हाथ सैलजा को भी लपेटे में लेने की कोशिश की। कांग्रेस में हर नेता के मुख्यमंत्री पद का दावा करने से असहज दिख रहे कुलदीप शर्मा ने 2019 के लोकसभा व विधानसभा चुनाव में पिछड़ने का बड़ा कारण संगठन की कमी को माना है।

भगवंत मान के पैकेज मांगने पर हरियाणा सीएम मनोहर बोले- मुफ्त की घोषणाएं करो, फिर कटोरा लेकर पीएम के सामने खड़े हो जाओ

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के दौरान राज्य के लिए दो साल तक 50-50 हजार रुपये का पैकेज मांगने पर हरियाणा में सियासत गर्मा गई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को मुफ्त के वादे करने

की राजनीति पर बड़ा हमला बोला। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को निशाने पर लेते हुए मनोहर लाल ने कहा कि चुनाव से पहले सब कुछ मुफ्त में बांटने के वादे करो और बाद में इन वादों को पूरा करने के लिए कटोरा लेकर प्रधानमंत्री के सामने खड़े हो जाओ, यह कहां की राजनीति है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अंत्योदय की भावना पर आधारित फैसले लेकर समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति को साधन-संपन्न बनाने के लिए काम कर रही है, लेकिन हम मुफ्तखोरी के हक में बिल्कुल भी नहीं हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर अपने राज्य के लिए आर्थिक मदद मांगी थी। नाबार्ड के स्टेट क्रेडिट सेमिनार के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पंजाब की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। पंजाब के पास अपने कर्मचारियों को देने के लिए पैसे तक नहीं है। वेतन देने के लिए वह कर्ज पर कर्ज लेता है। इसकी परवाह किए बिना आम आदमी पार्टी के लोगों ने मुफ्त में सब कुछ बांट देने के वादे किए। इन वादों को पूरा करने के लिए जब खजाने में पैसे नहीं मिले तो वह कटोरा लेकर प्रधानमंत्री के पास चले गए। मनोहर लाल ने कहा कि यदि आपकी नीति मुफ्त में बांटने की है तो बांटो, लेकिन यह सब अपने दम पर करो। सेंटर से पैसा लेकर मुफ्तखोरी की राजनीति करना बेहद शर्मनाक है। पहले मुफ्त में सब बांटने की घोषणा करो और फिर कटोरा लेकर प्रधानमंत्री के सामने खड़े हो जाओ, यह तो अच्छी बात नहीं है। इससे देश और समाज का भला नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति और सोच गरीब से गरीब व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने की है। इस दिशा में हरियाणा के गरीब लोगों को चिह्नित कर उन्हें रोजगार मुहैया कराए जा रहे हैं। हमारी कोशिश है कि हर व्यक्ति के लिए आय के साधन मुहैया हो सकें। वह मुफ्तखोरी पर बिल्कुल भी निर्भर न रहे। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने आइएएस अधिकारी अशोक खेमका द्वारा रजिस्ट्रियों में गड़बड़ी संबंधी कोई पत्र लिखे जाने से इनकार किया है। मनोहर लाल ने कहा कि उन्हें ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है, लेकिन जहां तक रजिस्ट्रियों में सात-ए के उल्लंघन की बात है, हम इसकी जांच बैठा चुके हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में करीब 60 हजार रजिस्ट्रियां संदिग्ध हैं। 350 अधिकारियों व कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनमें से कितनों के खिलाफ कार्रवाई होगी और कितने बचेंगे, यह बाद का विषय है। वैसे ही हम 2010 से 2016 तक हुई तमाम रजिस्ट्रियों की जांच बैठा चुके हैं। मनोहरलाल ने कहा कि चंडीगढ़ हरियाणा और पंजाब दोनों का है। इसको हरियाणा से कोई नहीं छीन सकता। लेकिन यह बात भी सही है कि वह किसी प्रदेश के अंतर्गत नहीं आता। वह हरियाणा व पंजाब की राजधानी है और अलग केंद्रशासित राज्य है। इसमें जो अधिकारी काम करते हैं, उसमें पंजाब व हरियाणा का रेशो 60:40 का है, जो आगे भी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ में अलग सर्विस रूल के बारे में क्या घोषणा की है, वह इसकी जानकारी हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में एक अप्रैल से गेहूं की खरीद होगी। 72 घंटे में किसान को पेमेंट देने का वादा पूरा करेंगे। गेहूं खरीद की समस्त तैयारियां पूरी हो चुकी हैं

तमिलनाडु के वनियार समुदाय को नहीं मिलेगा विशेष आरक्षण

नई दिल्ली, एएनआइ। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा है जिसमें राज्य कोटा कानून को रद करने का आदेश दिया गया है। इस कानून में तमिलनाडु के एक पिछड़े समुदाय वनियार को 10.5 फीसद विशेष आरक्षण प्रदान करने की बात कही गई है।

आवश्यक सुचना

मै रितेश त्रिपाठी पुत्र श्री राम निंजन त्रिपाठी यह घोषणा करता हूँ कि मेरी दोनो सुपुत्री समृद्ध त्रिपाठी व सानवी त्रिपाठी जिनका नाम जन्म प्रमाण पत्र ,वं आधार कार्ड पर कमश राशि व रिद्ध है। उनको समृद्ध त्रिपाठी वा सानवी त्रिपाठी के नाम से जाना जाये ,वं भविष्य मे होने वाले किसी की वाद की जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी ।

रितेश त्रिपाठी
158 नई ग्वालम.डी
तहसील जिला–सीतापुर (261001)
मो0 न0– 7706806290
9058099948

चंपा सुर्ती मालिक पुत्र समेत चारों युवकों में थी गहरी यारी, यादकर प्रतापगढ़ में बिलख रहे परिवार

प्रतापगढ़। चंपा सुर्ती मालिक के पुत्र इरशाद समेत हादसे में जान गंवाने वाले प्रतापगढ़ के चारों युवकों के बीच गहरी दोस्ती थी। बाराबंकी में बुधवार रात पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर कार डंपर के बीच टक्कर में इरशाद, इमरान, अबू बकर, लुकमान की आकस्मिक मौत से परिवार समेत कारोबारियों के बीच गहरा शोक है। इन चार परिवारों में विलाप गूंज रहा है तो तमाम अन्य परिवारों में गम का साया है जो इन्हें याद कर रहे हैं। रमजान के रोजे रखने और उसके बाद धूमधाम से ईद मनाने की तमनन रखने वाले चारों युवकों में बरसों से गहरी दोस्ती थी। वह अक्सर साथ दिखते थे त् बाराबंकी जनपद के हैदर गढ़ क्षेत्र में बुधवार की देर शाम सड़क हादसे में चार दोस्तों पर मौत ने झपट्टा मार दिया त् इससे उनके परिवारों में कोहराम मच गया है त् दर्दनाक हादसे की खबर पाने पर बुधवार रात राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रताप बहादुर अस्पताल के गेट के बगल और आसपास की दुकानें शोक में बंद हो गई थीं त् घटना के बारे में जानने के लिए वहां पर भारी भीड़ लग गई लोग

कह रहे थे कि अभी शाम को चार बजे तक तो वे सब यहीं पर थे त् फिर तय हुआ कि रमजान आने वाला है इसकी तैयारी पहले से कर ली जाए तो अच्छा रहेगा। रमजान से संबंधित मनपसंद सामान बाराबंकी से लाने के लिए चंपा सुर्ती फैक्ट्री मालिक मुर्तजा के बेटे इरशाद को भी साथ लेकर बाबागंज के लुकमान, पलटन बाजार के अबू बकर और इमरान बलेनो कार से शाम करीब 5 बजे लखनऊ के लिए निकले थे। किसी को क्या पता था कि यह उनका आखिरी सफर साबित होने वाला है। उनमें तीन अब जीवित अपने घर नहीं आ पाएंगे त् रमजान के रोजे नहीं रख पाएंगे चंपा सुर्ती कंपनी मालिक का बेटा इरशाद तो केवल दोस्ती में चला गया था। उसको लखनऊ में अपना कोई काम नहीं था रमजान से पहले इस हादसे ने सभी परिवारों को सदमे में डाल दिया है त् इनके घरों पर भारी भीड़ संवेदना जताने के लिए पहुंची त् घर के लोग यही बात रो-रो कर कह रहे हैं कि काश वे बाराबंकी के लिए ना निकले होते तो शायद आज हमारे बीच होते। मगर सबका कहना है कि यही तो अनहोनी है। कोई नहीं चाहता कि ऐसा हो लेकिन विधाता को यही मंजूर था। अब उनकी याद में परिवार के लोग रो बिलख रहे हैं तो रिश्तेदार और करीबी गहरे दुख में डूबे हैं।

ट्रैफिक डायवर्जन का बना प्लान, प्रयागराज के फाफामऊ पुल पर मरम्मत के दौरान नहीं लगेगा जाम

प्रयागराज। फाफामऊ पुल पर शुक्रवार से होने वाले मरम्मत को लेकर ट्रैफिक पुलिस की ओर से रूट डायवर्जन प्लान तैयार कर लिया है। राहगीरों, वाहन चालकों को कोई असुविधा नहीं हो, इसके लिए कई बदलाव किए गए हैं। लखनऊ की ओर से आने और प्रयागराज की तरफ से जाने वाले हल्के, भारी, सवारी और कामशिय्ल गाडि़यों के अनुसार उनके आवागमन की योजना बनाई गई है। तय किया गया है कि कामर्शियल छोटे सवारी वाहन ई-रिक्शा, टेंपो, आटो का संचालन पांटून पुल पर प्रतिबंधित रहेगा। ट्रैफिक इंस्पेक्टर मनोज सिंह का कहना है कि डायवर्जन प्लान के अनुसार ही ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी, जिससे लोगों को असुविधा न हो। फाफामऊ पुल पर दो पहिया वाहनों का आवागमन होता रहेगा। लखनऊ की ओर से आने वाले चार पहिया वाहनों को फाफामऊ टंकी तिराहे से बेला कछार, पांटून पुल, महावीरपुरी कालोनी होते हुए अपने गंतव्य तक जाएंगे। शहर की तरफ जाने वाले वाहनों के लिए भी यही मार्ग रहेगा। लखनऊ, रायबरेली, प्रतापगढ़ आदि जनपदों से शहर की तरफ जाने वाली बसें व भारी वाहन नवाबगंज से प्रयागराज-बाईपास पर चढक़र सहसों, अंदावा, झूंसी होते हुए जाएंगे। यही व्यवस्था शहर से उक्त जनपदों की ओर जाने वाले वाहनों पर भी लागू रहेगी। प्रतापगढ़ की ओर से आने वाले भारी, हल्के कामर्शियल वाहनों और रोडवेज बसों को नवाबगंज बाइपास से सहसों बाइपास, अंदावा चौराहा, झूंसी, शास्त्री पुल होकर आएंगे। तेलियरगंज चौराहा व गोविंदपुर मोड़ की तरफ आने वाले वाहन अपट्रान चौराहे से ओवरब्रिज-शिवकुटी थाना होते हुए बैंक रोड, जीटी जवाहर

से झूंसी होते हुए अंदावा, सहसों से आगे बढ़ेंगे। छोटे मालवाहक वाहन फाफामऊ बाजार मार्ग से होते हुए थरवई, गारापुर, सहसों, अंदावा, झूंसी शास्त्री ब्रिज से होकर शहर में प्रवेश करेंगे। यही व्यवस्था शहर से फाफामऊ बाजार की तरफ जाने वाले वाहनों पर भी लागू रहेगी। शहर में सिविल लाइंस से फाफामऊ की ओर जाने वाले ई-रिक्शा, टेंपो और आटो को तेलियरगंज, गोविंदपुर मोड़ तक ही जाने दिया जाएगा।

कुंडा विधायक राजा भैया के पिता उदय प्रताप का ट्वीट योगी विरोधियों ने भाजपा से गठबंधन नहीं करने दिया

प्रयागराज। जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह ने राजनीतिक मसले पर गंभीर ट्वीट किया है। उन्होंने ट्वीट में खासी चौंकाने वाली बात कही है कि यूपी विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ विरोधी शक्तियों ने भारतीय जनता पार्टी और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के बीच गठबंधन नहीं होने दिया। अगर गठबंधन होता तो चुनाव में भाजपा को 300 से ज्यादा सीटें मिलतीं लेकिन बीजेपी के उच्च कमान में योगी विरोधी शक्तियों ने ऐसा होने नहीं दिया। राजा भदरी कहलाने वाले उदय प्रताप के ट्विटर हैंडल से यह ट्वीट 27 मार्च को दिन में 1.32 बजे किया गया है। उदय प्रताप सिंह के इस ट्वीट से सियासी गलियारों में हलचल मची है। आखिर भाजपा में योगी विरोधी शक्तियां कौन हैं, इस मसले पर काफी प्रयास के बावजूद कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह से बातचीत नहीं हो सकी। कुंडा विधायक के पिता ने जिस तरह से उन्होंने अपने ट्वीट में भाजपा के उच्च कमान में शामिल कुछ लोगों पर निशाना साधा है, उससे कई सवाल खड़े हो गए हैं। पहला सवाल तो यह कि आखिर वह कौन लोग हैं, जिन्होंने जनसत्ता दल लोकतांत्रिक एवं भाजपा के बीच तालमेल नहीं होने दिया। आखिर वह कौन-कौन सी विधानसभा सीट हैं, जिसके लिए जेएसडीएल और भाजपा के बीच तालमेल से विजय सुनिश्चित हो सकती थी। कुंडा विधायक के पिता उदय प्रताप सिंह मई 2015 से ट्विटर हैंडल कर रहे हैं। करीब 13 हजार उनके फालोवर हैं। उनका संघ परिवार से बहुत पुराना नाता है। संघ के लिए जमीन और भवन दान कर चुके हैं। यही वजह है कि संघ परिवार के शीर्ष पदाधिकारियों से उनके बहुत ही अच्छे रिश्ते हैं। ऐसे में भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल गठन के समय ही ऐसा बयान आना, कई संदेश देता भी नजर आ रहा है।

बैंकों की परामर्शदात्री समिति की बैठक में पत्रावलियों को अविलम्ब निस्तारित करने का निर्देश......

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डॉ0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में बैंकों की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें पत्रावलियों को शीघ्र निस्तारित करने का निर्देश दिया गया।बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की बैंक पोषित योजनाओं की ऋण लाभार्थी की पत्रावलियां जो लम्बित उन्हें मार्च के अन्त तक अनिवार्य रूप से निस्तारित कर दिया जाये। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि दिनांक 24 मार्च 2022 तक 3894 पत्रावलियॉ बैंकों में प्रेषित की गई जिसके सापेक्ष बैंकों द्वारा 3483 पत्रावलियों में ऋण स्वीकृत है जिसमें से 3310 पत्रावलियों में ऋण वितरित किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने एलडीएम को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की सर्वाधिक पत्रावलियां एसबीआई

के स्तर पर लम्बित है तत्काल उनका निस्तारण सुनिश्चित करायें। इसके साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत समूहों के खाता खोलने, समूह गठन से सम्बन्धित लम्बित पत्रावलियों को समय से निस्तारित करायें। जिलाधिकारी ने कहा कि पत्रावलियों पर आपत्ति लगाने के पूर्व यह सुनिश्चित किया जाये कि एक बार में ही पत्रावलियां में जो भी कमियां है उसे अवगत करा दिया जाये ताकि लाभार्थी कमियां दूर कर पत्रावलियां प्रस्तुत कर सके। जिलाधिकारी ने एलडीएम से कहा कि प्रायः ऐसी शिकायतें प्राप्त हो रही है कि कुछ लाभार्थी कई योजनाओं का लाभ एक साथ प्राप्त कर रहे हैं ऐसे लाभार्थियों को चिह्नित कर उनकी सूची उपलब्ध करायी जाय। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य जनसामान्य को लाभ पहॅुचाना है। जिलाधिकारी ने एलडीएम को निर्देशित किया कि बैंकवार टाइनी शाखाओं की सूची पुलिस विभाग को सौंप कर उसका सत्यापन करा लिया जाये और उसकी एक सूची जिलाधिकारी को उपलब्ध करायी जाय। उन्होंने कहा कि बैंक के प्रबन्धन का दायित्व है कि सभी टाइनी शाखाओं पर कड़ी निगरानी रखें ताकि किसी गरीब या अशिक्षित व्यक्ति के साथ धोखा-धड़ी जैसी कार्यवाही न हो सके। बैठक में जिलाधिकारी ने किसान क्रेडिट कार्ड, मत्स्य पालन योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, स्वतः रोजगार योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

01अप्रैल से होगी गेहूँ की खरीद किसानों संग होगा सम्मानजनक व्यवहार

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। रबी विपणन वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत क्रय केन्द्रों पर गेहूँ खरीद की तैयारियों के सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) मुकेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने बताया कि दिनांक 01 अप्रैल 2022 से क्रय केन्द्रों पर गेहूॅ खरीद की प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। इस वर्ष गेहॅू का न्यूनतम समर्थन मूल्य रूपये 2015 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। जनपद में खाद्य विभाग के 17 एवं पीसीएफ संस्था के 27 क्रय केन्द्र खोले गये है। अपर जिलाधिकारी ने क्रय केन्द्र के प्रभारियों को निर्देशित किया कि शासन के मानक के अनुरूप किसानों से गेहॅू की खरीद की जाये। क्रय केन्द्रों पर पहॅुचने वाले किसानों से सम्मानजनक व्यवहार किया जाय। सभी क्रय केन्द्रों पर छलना,पंखा, इलेक्ट्रानिक कांटा, डस्टर, नमीमापक यंत्र, बोरे आदि की व्यवस्था अद्यतन रखी जाये। उन्होने कहा कि क्रय केन्द्र पर 100 कुन्तल तक गेहॅू क्रय की व्यवस्था सत्यापन मुक्त होगी। 100 कुन्तल से अधिक व 5 हेक्टेयर की जोत धारित कृषक के रकबे व गेहॅू उत्पादन का सत्यापन तहसीलदार/ उपजिलाधिकारी के सत्यापन के उपरान्त क्रय किया जाये। गेहॅू क्रय का भुगतान कृषक के बैंक खाते में जो आधार से लिंक हो एवं एन0पी0सी0आई0 से मैप हो के आधार पर किया जायेगा। गेहॅू क्रय के उपरान्त किसानों को उसकी उपज का भुगतान समय से सुनिश्चित कराया जाये इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं शिथिलता कदापि न बरती जाये। उन्होने कहा कि कृषक द्वारा गेहॅू खरीद का पंजीकरण सम्बन्धित खतौनी प्रपत्र, आधार संख्या, मोबाईल नम्बर, अधिकृत प्रतिनिधि के आधार संख्या (यदि नामित है तो) के आधार पर किया जायेगा। क्रय केन्द्र पर कृषक को क्रय के उपरान्त तौल पर्ची भी दी जाय। उन्होंने कहा कि इन क्रय केन्द्रों पर नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी जाय। क्रय केन्द्रों पर कृषकों को बैठने हेतु तिरपाल एवं पानी पीने की समुचित व्यवस्था की जाये। केन्द्र प्रातः 9 बजे से सायं 6 बजे तक क्रियाशील रहेगें। राजपत्रित कार्यदिवसों को छोड़कर शेष सभी दिन क्रय केन्द्र संचालित रहेगें। खाद्य विभाग के पोर्टल पर दिनांक 30 मार्च तक 1039 कृषकों द्वारा पंजीकरण कराया जा चुका है। बैठक में उपजिलाधिकारी सदर सौम्य मिश्र, जिला खाद्य विपणन अधिकारी अजीत त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व क्रय केन्द्र प्रभारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री का परीक्षा पर छात्र-छात्राओं से संवाद 01अप्रैल को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य संत सिंह ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार नरेन्द्र मोदी द्वारा 01 अप्रैल 2022 को परीक्षा पर संवाद किया जाएगा।चर्चा कार्यक्रम के जरिये छात्र-छात्राओं से यह संवाद ताल कटोरा स्टेडियम नई दिल्ली से दूरदर्शन, यूट्यूब, फेसबुक तथा अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर संवाद स्थापित किया जायेगा।छात्र, अभिभावक और शैक्षणिक वर्ग के लोग वर्चुअल माध्यमों के द्वारा 01 अप्रैल 2022 को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम से सीधे जुड़ेगें। विद्यालय के पर्यवेक्षण में शिक्षकों, छात्रों एवं अभिभावकों द्वारा ट्विटर पर वीडियो बाइट व गणमान्य व्यक्तियो द्वारा फेसबुक एवं ट्विटर पर वीडियो बाइट शेयर किया जायेगा। विद्यालय स्तर पर आयोजित की गई परीक्षा से सम्बन्धित तनाव को कम करने की गतिविधियों को ट्विटर और फेसबुक पर व वेबसाइट पर छात्रों द्वारा पाठ्यसहगामी क्रियाओं के अन्तर्गत परीक्षा से सम्बन्धित आलेख, चित्र, वीडियो और अन्य गतिविधियों को शेयर किया जाएगा।

कश्मीर को मेरे गाने से हटा दिया सेंसर बोर्ड ने, प्रयागराज में बोले फिल्म गीतकार संतोष आनंद

प्रयागराज। 'द कश्मीर फाइल्स फिल्म अच्छी है तभी तभी चर्चित है। सच्चाई न दबाई जा सकती है और न ही छुप सकती है। यह कहना है फिल्म जगत के प्रख्यात गीतकार संतोष आनंद का। प्रयागराज के कीडगंज में 'काव्य चकल्लस- 2022 के तहत आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में शामिल होने आए संतोष आनंद आतंकवाद के खिलाफ मुखर आवाज उठाते रहे हैं। वर्ष 1992 की सुपरहिट फिल्म तहलका का गाना 'दिल दीवाने का डोला, दिलदार के लिए काफी चर्चित हुआ था। संतोष बताते हैं कि मैंने 'दिल दीवानों का डोला कश्मीर के लिए लिखा था। सेंसर बोर्ड ने गाने से कश्मीर शब्द हटाकर दिलदार के लिए कर दिया। इस पर मैंने नाराजगी भी व्यक्त की थी, लेकिन उसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। फिल्मों में 109 गाने लिखने वाले संतोष आनंद कहते हैं कि कवि सम्मेलन से साहित्य का भाव गायब होता जा रहा है। जो अत्यंत घातक है। उन्होंने प्रयागराज के गीतकार शैलेंद्र मधुर की तारीफ करते हुए कहा कि ये संस्कृति व सभ्यता से जुड़कर काम कर रहे हैं। कला व साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए संतोष आनंद का भाजपा काशीक्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्त, महानगर अध्यक्ष व काव्य चकल्लस के संयोजक गणेश केशरवानी, कवयित्री कविता तिवारी ने सम्मानित किया। गणेश ने कहा कि काव्य चकल्लस का स्वरूप अगले वर्ष अधिक भव्य व वृहद होगा। अवधेश ने कहा कि प्रयाग साहित्यिक राजधानी है। इस स्वरूप को संरक्षित करने का प्रयास जारी रहेगा। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता शशि वार्ष्णेय, अमर सिंह, त्रियुगी नारायण दीक्षित, सचिन मिश्र, कुंजबिहारी मिश्र, राजू पाठक, देवेश सिंह, मुकेश लारा, अजय जायसवाल, लल्लन जायसवाल मौजूद रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.**प्रमाण पत्रः-** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। 2.**चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। 3.**आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। 4.**आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। 6.**कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। 7.**छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। 9.**दाखिले की अंतिम तिथिः-** 31 मार्च 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

सिपाहियों ने खून देकर बांधी घायल युवक के जीवन की डोर

आजमगढ़ । दो सिपाहियों ने खून देकर जिदगी के लिए जंग लड़ रहे एक युवक के सांसों की डोर को मजबूत कर दिया। इंटरनेट मीडिया पर ओ निगेटिव ब्लड की जरूरत का मैसेज सार्वजनिक हुआ तो एसपी ने उसका संज्ञान लिया। उसके बाद दो सिपाही आनन-फानन रक्तदान करने जा पहुंचे अस्पताल। दोनों सिपाहियों के अलावा दो अनजान युवकों ने भी इंटरनेट मीडिया के जरिए सूचना पर पहुंचकर ब्लड दिया। ब्लड का मुकम्मल इंतजाम होने से घायल युवक फिलहाल खतरे से बाहर है। जिले के महराजगंज थाना क्षेत्र में बुधवार को हुई सड़क दुर्घटना में वैभव मिश्रा (18) निवासी अतरौलिया गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें स्वजन ने शहर के लछिरामपुर स्थित वेदांता हास्पिटल में गंभीर हालत में भर्ती कराया था। चोट ज्यादा लगने के कारण डाक्टरों ने तुरंत ब्लड की जरूरत बताई। घायल वैभव का ब्लड गुरूप ओ-निगेटिव होने के कारण उनके मित्र गांधी गिरी टीम

के विवेक पांडेय ने पुलिस अधीक्षक को टैग करते हुए ब्लड के लिए ट्विटर व इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट डाला। इसका एसपी ने संज्ञान लेते हुए अपने स्कार्ट के सिपाही विनोद कुमार चौधरी और दिनेश कुमार को ब्लड देने के लिए भेजा। उसके बाद घायल युवक का इलाज शुरू हो गया। दोनों सिपाहियों के अलावा फरहान खान व अजय कुमार विश्वकर्मा नाम के दो अन्य युवक भी इंटरनेट मीडिया के जरिए सूचना मिलने पर पहुंचकर ब्लड दिए। देर शाम तक कुल छह यूनिट ब्लड एकत्रित हो गया। दो सिपाहियों को ओ-निगेटिव ब्लड देने के लिए तुरंत भेजा गया। तीन और सिपाहियों को भी अलर्ट पर रखा गया है, ताकि ब्लड के लिए कोई मुश्किल न आने पाए। -अनुराग आर्य, पुलिस अधीक्षक डाक्टर बोले हो गई माइनर सर्जरीः वेदांता हास्पिटल के डायरेक्टर विशाल जायसवाल ने बताया कि घायल वैभव की एक माइनर सर्जरी हो गई है। देर रात एक और मेजर सर्जरी की जाएगी। दो यूनिट ब्लड सिपाहियों ने दिया है, तीन सिपाहियों के और पहुंचने की बात पता चली है। अभी तक छह यूनिट ब्लड भी मिल चुका है। घायल मरीज के इलाज में डाक्टरों की टीम लगी हुई है।

विभाग की बातों पर दिया ध्यान फसल बचाने को हुए सावधान

मेंहनगर (आजमगढ़)। शार्ट-सर्किट से खेतों में खड़ी फसलों में आग लगने से बचाने के लिए अनन्दाता सतर्क हो गए हैं। इसके लिए वह अपने खेतों में ट्रांसफार्मर के नीचे की सूखी फसलों का कुछ हिस्सा काटकर हटा दें रहे हैं, जिससे शार्ट-सर्किट से लगी आग न फैले। इसको लेकर बिजली विभाग के अधिकारी भी जागरूक कर रहे हैं। एक सप्ताह पहले ही मेंहनगर सब स्टेशन के अवर अभियंता रवि कुमार ने लाइनमैन व किसानों की बैठक कर यह अहम सुझाव दिया। कहा कि गेहूं की फसल

तैयार हो गई है। अब गर्मी में तेज हवाएं चलेंगी। ऐसे में शार्ट-सर्किट से फसलों में आग लग सकती है। इसको बचाने के लिए पहले से उपाय करना होगा। ट्रांसफार्मर के नीचे गेहूं की फसल को 10 फीट की एरिया में काट देने से पूरे खेत को बचाया जा सकता है। ग्राम कुशमुलिया के दक्षिणी सिवान में लगे ट्रांसफार्मर के नीचे एक किसान ने शार्ट-सर्किट से बचाव के लिए फसल का कुछ हिस्सा काट दिया है। इस उपाय को बाकी किसान भी अपना रहे हैं।

आग से बचाव को करें यह उपाय

बिजली के तार के नीचे ट्रांसफार्मर के पास खलिहान न लगाएं और न ही फूस के छप्पर बनाएं। किसान जब भी खेत में खलिहान या कटी हुई फसल का ढेर बनाएं, तो बिजली के तार से दूर रखें। खेत का खर-पतवार तब तक न जलाएं जब तक आसपास दूसरे की सूखी फसल खड़ी हो। अगर बगीचे पास में हैं तो सूखे पत्ते में आग न लगाएं। खलिहान और फूस के मकान रेलवे लाइन से कम से कम 100 फीट की दूरी पर हों। पुआल और गोबर के कंडे सूख जाने के बाद आवासीय क्षेत्र से 100 फीट की दूरी पर ढेर लगाएं।

अतिक्रमण हटाने पहुंचे प्रशासन का व्यापारियों ने किया विरोध

जहानागंज (आजमगढ़) । जहानागंज बाजार के मुख्य चौक पर नाली के ऊपर बने अवैध चबूतरे को हटाने के लिए बुधवार को नायब तहसीलदार के नेतृत्व में बुलडोजर

के साथ अन्य अधिकारी पहुंचे, तो उन्हें व्यापारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। आखिर में बिना अतिक्रमण हटाए ही टीम को लौटना पड़ा। व्यापारियों का कहना था कि बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई गलत है। व्यापारियों ने इसका विरोध किया तो बात कहासुनी तक पहुंच गई। इसकी सूचना पाकर कार्यवाहक थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अवधेश अवस्थी एवं एसआइ संतोष यादव फोर्स के साथ पहुंच गए। उन्होंने मामले को शांत कराया। व्यापारियों का कहना था कि अतिक्रमण हटाने के लिए न तो सीमांकन किया गया और न ही किसी को इसकी सूचना दी गई। अचानक बुलडोजर के साथ अधिकारी बाजार में पहुंच गए। व्यापारियों ने कहा यदि प्रशासन जबरदस्ती बुलडोजर चलाएगा तो उसे व्यापारियों के सीने से होकर गुजरना पड़ेगा। कानूनी कार्रवाई जिस हिसाब से की जाती है उसके अनुरूप कार्य किया जाए। हम सब भी उसमें पूरा सहयोग करेंगे। इस मौके पर आनंद गुप्ता, अभय जायसवाल, पीयूष गुप्ता, संतोष मोदनवाल, रिकू जायसवाल, महेश, अवधेश जायसवाल, अशोक सेठ, गोपाल, इमरान अहमद आदि उपस्थित थे।

लीडर ट्रेनर डा. शफीउज्जमा को मिला लांग सर्विस अवार्ड

आजमगढ़। भारत स्काउट गाइड उत्तर प्रदेश ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रथम लीडर ट्रेनर (रोवर) डा. शफीउज्जमा को भारत स्काउट और गाइड, उत्तर प्रदेश संगठन और स्काउट और गाइड आंदोलन के प्रति बहुमूल्य व सराहनीय योगदान के लिए 'लांग सर्विस' मेडल से सम्मानित किया है। 28 मार्च को लखनऊ में प्रादेशिक मुख्यायुक्त डा. प्रभात कुमार पूर्व अध्यक्ष उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने मेडल प्रदान किया। डा. शफीउज्जमा वर्तमान में जिला संयोजक रोवर्स/रेंजर्स का दायित्व भी बखूबी निभा रहे हैं।

नवरात्र : महंगाई से दूर पूजा की थाली, मन से करें आराधना

आजमगढ़ । चैत्र नवरात्र इस बार शनिवार से शुरू हो रहा है। लोगों ने पूजा की तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। इस बीच सुखद यह कि पूजा सामग्री और फलाहार पर महंगाई का कोई असर अभी तक नहीं है। कुछ के दाम कम हुए हैं, तो कुछ के यथावत हैं। कुछ के दाम में दस-बीस रुपये की वृद्धि हुई है। व्रत पर्व को देखते हुए फलाहार और पूजा सामग्री की दुकानें सजने लगी हैं, लेकिन अभी उस पर अपेक्षित भीड़ नहीं दिख रही है। फलाहार सामग्री के बड़े कारोबारी सुमित अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार को भीड़ बढ़ेगी। उधर, पर्व को देखते हुए हर कोई अपने स्तर से तैयारी में जुट गया है। मंदिरों के रंग-रोगन के साथ अब विद्युत झालरों से सजाने की तैयारी है। चौक स्थित दक्षिण मुखी देवी दरबार में दीवार से लेकर फर्श तक मार्बल लगाने का काम पूरा हो गया है।

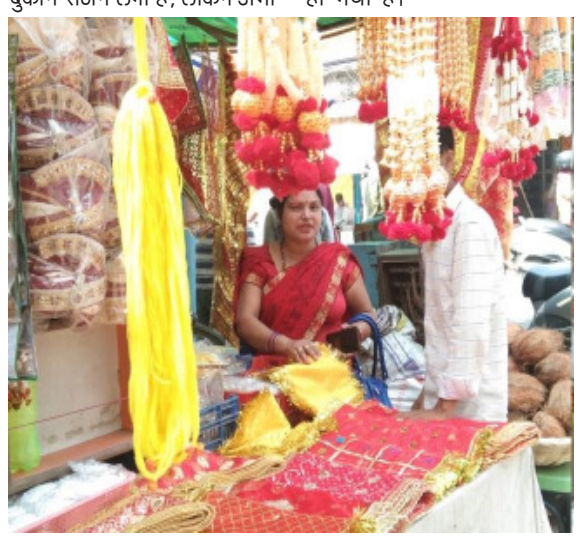

एंबुलेंस में गूंजी किलकारी बच्ची ने लिया जन्म

सरायमीर (आजमगढ़)। लखनऊ काल सेंटर से एक काल एंबुलेंस डायल 102 पर आई। एंबुलेंस तुरंत मरीज को लेने बुधवार को उसके घर तरवां ब्लाक के महुवारी पहुंच गई। मरीज सीतामुनी पतने महेश को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तरवा के लिए तुरंत निकल पड़ी, लेकिन रास्ते में कमहरिया के पास सीतामुनी को प्रसव पीड़ा तेज होने के कारण मेडिकल टेकनीशियन पीयूष कुमार एवं आशा कार्यकर्ता करुणा ने अपनी सूझबूझ से सुरक्षित प्रसव एंबुलेंस में ही करा दिया। सीतामुनी ने एक लड़की को जन्म दिया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ और सुरक्षित हैं। प्रसव कराने के बाद जच्चा और बच्चा दोनों को पीएचसी तरवां में भर्ती करा दिया। इनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सीतामुनी के स्वजन ने धन्यवाद दिया। जिला प्रभारी अजय राय और प्रोग्राम

मैनेजर वीरेंद्र विक्रम सिंह ने कंपनी द्वारा प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र दिलाने का वादा किया।

दो गांवों के कुओं में मिले युवक व किशोरी के शव

नंदगंज (गाजीपुर) । शहर कोतवाली के लंगड़पुर में युवक व नंदगंज थाना क्षेत्र के कुराह गांव के कुएं में किशोरी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। स्थानीय पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि किशोरी मानसिक रूप से बीमार थी और अक्सर घर से गायब हो जाती थी।

शहर कोतवाली के लंगड़पुर निवासी सोनू कुमार (25) मजदूरी करता था। तीन दिन पूर्व सुबह वह घर से काम पर निकला, लेकिन शाम को घर नहीं लौटा। स्वजन ने काफी खोजबीन की, लेकिन अता-पता नहीं चला। बुधवार की सुबह गांव के कुछ लोग सिवान की तरफ गए, तो देखा कि कुएं में शव उतराया हुआ है। पुलिस के सहयोग से शव को बाहर निकाला गया, तो उसकी पहचान सोनू कुमार के रूप में हुई। सोनू का शव देखकर उसकी पतने नीशा का रो-रोकर बुरा हाल था। सोनू का एक तीन माह का पुत्र भी है। घटना को लेकर पूरे गांव कोहराम मच गया। सोनू की गृहस्थी एकदम कच्ची है। तीन माह के बच्चे को गोद में लेकर विलखती उसकी पतने को देखकर सभी के आंखें नम हो जा रही थी। सोनू कुएं तक कैसे पहुंचा, इसकी जानकारी किसी को नहीं हो सकी है। इधर नंदगंज थाना क्षेत्र के कुराह निवासी सुरेमन बिद ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री खुशी बिद मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। वह अक्सर घर से गायब हो जाती थी और दो-तीन बाद लौट आती थी। दो दिन पूर्व भी वह गायब हुई थी। स्वजन खोजबीन किए, लेकिन जानकारी नहीं हो सकी। इसी बीच बुधवार की दोपहर ग्रामीणों की नजर कुएं में पड़े किशोरी के शव पर पड़ी, इससे सनसनी फैल गई। सूचना पर सुरेमन भी पहुंच गए और अपनी पुत्री की शिनाख्त की। मृतका के पिता ने तहरीर देकर पुलिस को बताया है कि उसकी पुत्री मानसिक रूप से बीमार थी। थानाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि खुशी मानसिक रूप से बीमार थी और अक्सर घर से गायब हो जाती थी।

वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर व्यस्त रहे सरकारी विभाग

आजमगढ़। वित्तीय वर्ष की समाप्ति के एक दिन पहले बुधवार को सरकारी कार्यालयों में अधिकारी और कर्मचारी लेखा-जोखा, बिल-वाउचर तैयार करने में जी-जान से जुटे रहे। मुख्य कोषाधिकारी कार्यालय में संबंधित विभागों के कर्मी बिल पास कराते रहे। हालांकि कई विभागों का खजाना खाली रह गया। बजट का अधिकारी व कर्मचारी इंतजार करते रहे लेकिन स्टेशनरी के भुगतान में आहरण वितरण अधिकारी जुटे रहे। वित्तीय वर्ष का मार्च अंतिम महीना होता है। अंतिम तिथि 31 मार्च तक उन विभागों को अपने बजट व बिल का समायोजन कराना होता है। जिसे लेकर कार्यालय खुलने से ही संबंधित अधिकारी मातहतों के साथ बजट व बिल को दुरुस्त कराने में जुटे रहे। जब सब अभिलेख दुरुस्त होते तो मुख्य कोषाधिकारी कार्यालय में उसका समायोजन कराने में लगे रहे। जिन विभागों या योजनाओं के बजट की निकासी मुख्य कोषाधिकारी कार्यालय के माध्यम से होती है, उन्हीं की वित्तीय वर्ष के अंतिम तिथि तक क्लोजिग कराने का नियम है। गुरुवार की मध्य रात्रि तक क्लोजिग का कार्य चलता रहेगा। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद क्लोजिग का कार्य समाप्त हो जाएगा।

शिक्षा माफिया की 1.15 करोड़ की संपत्ति कुर्क

गाजीपुर । नंदगंज थाना क्षेत्र के फतेहउल्लाहपुर स्थित शिक्षा माफिया महेंद्र कुशवाहा की एक करोड़ 15 लाख की 0.2020 हेक्टेयर भूमि को जिला प्रशासन ने बुधवार को कुर्क कर लिया। गैंगस्टर एक्ट के तहत जिलाधिकारी के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। इससे संबंधितों में खलबली मची हुई है। शिक्षा माफिया कुशवाहा गैंग में पुलिसफोर्स तैनात थी। शिक्षा माफिया कुशवाहा गैंग के खिलाफ अब 25 करोड़ 21 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। बीते वर्ष 30 नवंबर को महेंद्र कुशवाहा की चार करोड़ 79 लाख की 0.3098 हेक्टेयर भूमि व निर्मित भवन को कुर्क कर दिया था। शिक्षा माफिया महेंद्र कुशवाह पर गैंग बनाकर नकल कराने और पेपर आउट कराने

के अब तक 25 करोड़ 21 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। शहर कोतवाली क्षेत्र के रघुनाथपुर छावनी लाइन निवासी शिक्षा माफिया महेंद्र कुशवाहा के खिलाफ वर्ष 2016 में सामूहिक नकल कराने के आरोप में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। इसी मुकदमे में जिलाधिकारी के आदेश पर बुधवार को मुनादी के बीच सदर एसडीएम अनिरुद्ध प्रताप सिंह और सीओ सिटी ओजस्वी चावला के नेतृत्व में महेंद्र कुशवाह की भूमि कुर्क की गई। इस दौरान भारी संख्या का आरोप है। इससे पूर्व रघुनाथपुर छावनी लाइन स्थित शिक्षा माफिया राजेंद्र कुशवाहा के छह करोड़ 96 लाख की संपत्ति कुर्क की गई थी। वहीं गैंग लीडर पारस कुशवाहा के 12 करोड़ 31 लाख की संपत्ति भी कुर्क की जा चुकी है। गैंगस्टर एक्ट में वांछित शिक्षा माफिया महेंद्र कुशवाह की एक करोड़ 15 लाख रुपये की 0.2020 हेक्टेयर भूमि को जिलाधिकारी के आदेश पर कुर्क किया गया है। अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित करने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। यह कार्रवाई आगे भी चलती रहेगी।

कासिमाबाद तहसील में राजस्व कर्मियों की कमी, जनता परेशान

कासिमाबाद (गाजीपुर) । कासिमाबाद तहसील में राजस्व कर्मियों की कमी का खामियाजा क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है। आए दिन इनकी कमी के चलते गांवों में विवाद होता रहता है। तहसील में कार्यरत राजस्व कर्मियों पर नजर दौड़ाएं तो यहां 124 के सापेक्ष महज 85 लेखपाल ही 499 गांवों का लेखा-जोखा देख रहे हैं। इनमें से भी 10 लेखपाल अन्य पटलों का काम देख रहे हैं। इससे काश्तकारों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। तहसील में लेखपालों के कुल 126 पद सृजित हैं। इसमें मौजूदा समय में कार्यरत महज 75 हैं। ऐसी दशा में एक लेखपाल के जिम्मे लगभग 6 से 7 गांव की जिम्मेदारी है। जो पैमाइश, खसरा, खतौनी, अमलदरामद, आय, निवास, जाति, थाना दिवस, तहसील दिवस, वरासत समेत अन्य विभागों के कार्य करने पड़ते हैं। फरियादी की समस्या का निस्तारण समय से नहीं हो पाता है। इसके चलते जहां लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, वहीं कभी-कभी लेखपालों को भी उनके गुस्से का शिकार होना पड़ता है। आरके के काम अप्रशिक्षित लेखपाल कर रहे हैं। इसी तरह तहसील में नायब तहसीलदार के 3 पदों के सापेक्ष 1 नायब तहसीलदार है। राजस्व निरीक्षक के 17 पद के स्थान पर महज तीन ही कार्यरत हैं। संग्रह अमीनों को देखा जाए तो यहां भी

22 के बदले जहां 14 से काम लिया जा रहा है वहीं संग्रह अनुसेवक भी 22 के सापेक्ष 9 ही हैं। लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष जितेंद्र यादव का कहना है कि वास्तविकता में मेरे पास 3 हलकों का चार्ज है परेशानी तो होती है। लेखपालों की संख्या बढ़ना चाहिए। वहीं इतनी बड़ी तहसील में 17 राजस्व निरीक्षकों के पद सृजित है, लेकिन मात्र 2 राजस्व निरीक्षक तैनात है। निरीक्षकों के पदों पर अप्रशिक्षित लेखपालों को प्रभारी बनाकर काम कराया जा रहा है। उपजिलाधिकारी कमलेश कुमार सिंह ने बताया की लेखपाल व राजस्व कर्मियों की कमी के कारण समस्या आती है। एक लेखपाल के पास 2 से 3 सर्किल का चार्ज है। इसके लिए बोर्ड आफ रेवेन्यू को पत्र लिखा गया है।

बालू लदे ओवरलोड ट्रकों से वसूला 2.20 लाख जुर्माना

भदौरा (गाजीपुर) । बिहार प्रांत से आने वाले लाल बालू लदे ओवरलोड ट्रकों पर संभागीय परिवहन विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। यूपी-बिहार सीमा पर स्थित बारा में बुधवार को पीटीओ मनोज कुमार भारद्वाज ने कार्रवाई करते हुए दो लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। बुधवार को पीटीओ मनोज कुमार भारद्वाज ने यूपी-बिहार सीमा पर ओवरलोड बालू लदे ट्रकों के खिलाफ चेकिग अभियान चलाया। सीमा पर खड़े आधा दर्जन लाल बालू लदे ओवरलोड ट्रकों पर कार्रवाई करते हुए दो लाख 20 हजार रुपये जुर्माना लगाया। पीटीओ की कार्रवाई से ओवरलोड ट्रकों के संचालकों के साथ बालू माफिया में खलबली मची है। पीटीओ को देख चालक ट्रकों को कर्मनाशा पुल के दूसरी तरफ छोड़कर फरार हो गए। पीटीओ मनोज कुमार भारद्वाज ने बताया कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। ओवरलोड वाहनों का आवागमन कतई नहीं होने दिया जाएगा। इधर, पीटीओ की चेकिग की खबर लगते ही चालकों ने ट्रकों को बिहार सीमा पर ही रोक दिया।

चार दिन बाद खुले बैंक उपभोक्ताओं की रही भीड़

गाजीपुर। चार दिन बंद होने के बाद बुधवार को बैंक के खुलते ही नगर से लेकर गांव तक उपभोक्ताओं की भीड़ लग गई। सुबह से शाम तक बैंकों में गहमा-गहमी का माहौल बना रहा। क्लोजिंग के लिए लोग तैयारी में जुटे है। अपने लेन-देन संबंधी मामलों को निपटाने में लोग लगे रहे। बैंकों में लगभग तीन सौ करोड़ का लेनदेन किया गया। शनिवार व रविवार अवकाश के बाद सोमवार व मंगलवार को राष्ट्रव्यापी हड़लात के तहत कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर हड़ताल की, जिस कारण स्टेट बैंक को छोड़कर सभी प्रायः सभी बैंक बंद रहे। यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक सहित प्रमुख बैंक, डाकघर व एलआइसी के आफिस बंद रहने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। इससे सबसे अधिक परेशानी व्यापारियों को हुई। बुधवार को बैंक खुले तो दो दिनों का रुका कार्य निपटाने के लिए लोगों की बैंकों में भीड़ लग गई। लोग अपनी बारी के इंतजार में घंटों लाइन में लगे रहे। वहीं चार दिन से क्लीयरिग में फंसे चेकों को भी भुगतान किया गया। शाम तक बैंकों में भीड़ रहीं। बैंकों में आधार कार्ड बनाने वाले कांउटर पर भी भीड़ दिखाई दी। चार दिन बंद होने के कारण सभी एटीएम भी खाली हो गए थे। एटीएम में पैसा पड़ने के बाद ग्राहकों को थोड़ी राहत मिली। उधर, एलडीएम सूरज कांत ने बताया कि हड़ताल की वजह से प्रभावित करीब तीन सौ करोड़ रुपये का लेनदेन बुधवार को हुआ है। मार्च के अंतिम दिन गुरुवार को बैंकों में कामकाज होगा, लेकिन एक अप्रैल को बैंक तो खुलेंगे। लेकिन ग्राहकों का कोई कार्य नहीं होगा। मार्च में 11 दिन की बंदी के कारण केवल 20 दिन ही बैंकों में लेनदेन हो पाया है, जबकि मार्च वित्तीय वर्ष का अंतिम माह होने के कारण सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। उधर एलआइसी व डाक विभाग में भी ग्राहकों की भीड़ रही।

विकास कार्यो की जमीनी हकीकत जानने पहुंचे संयुक्त विकास आयुक्त

मीरजापुर । संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चंद्र मिश्रा मंगलवार को विकास खंड राजगढ़ के सेमरा बरहो गांव में विकास की जमीनी हकीकत जानने पहुंचे। ब्लाक कर्मचारियों द्वारा संबंधित निर्माण कार्यों का कागजात नहीं दिखाने पर कड़ी नाराजगी जताई। गांव में कराए गए विकास कार्य संबंधी कागजात जेडीसी कार्यालय में तलब किया है। ब्लाक कर्मचारियों की कार्यशैली पर खफा हुए। संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चंद्र मिश्रा ने मंगलवार को विकास खंड राजगढ़ के सेमरा बरहो गांव में मनरेगा सहित विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। जेडीसी सबसे पहले पंचायत भवन पहुंचे। इसके बाद गांव में बने सड़क का निरीक्षण किया। सड़क की गुणवत्ता से असंतुष्ट दिखे। बीडीओ शैलेंद्र सिंह सहित ब्लाक कर्मचारी निर्माण कार्य संबंधी कागजात और एमबी तक नहीं दिखा पाए। जेडीसी ने कहा कि विकास कार्य संबंधी कागजात लेकर कार्यालय पहुंचें। डीआरडीए के एई तालुकदार दुबे ने बताया कि कागजात से मिलान के बाद ही सही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। हालांकि मौके पर निर्माण कार्य सही नहीं मिला।

बेलन नदी पुल पर धीमी गति से हो रहा अप्रोच कार्य, बढ़ी परेशानी

हलिया (मीरजापुर) । हलिया-लालगंज मार्ग पर बेलन नदी पर पुल निर्माण होने के बाद पुल के दोनों छोर पर अप्रोच का कार्य धीमी गति से होने से वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण के चलते वाहनों का रूट डायवर्जन कर दिया गया है, ताकि कार्य में परेशानी न हो। कार्यदायी संस्था सेतु निगम ने पुल के दोनों छोर पर मिट्टी फीलिग के साथ पीचिग व अप्रोच पर सड़क के लिए गिट्टी डाल दिया है। इससे भारी वाहन ट्रक व बस को आने-जाने में परेशानी हो रही है। मालवाहन व बस ड्रमंडगंज वाया नैडी मार्ग से होकर जा रहे है। छोटे वाहन किसी तरह बगल से निकल जा रहे है। पुल के अप्रोच का कार्य तेजी के साथ कराने के लिए समाजसेवी सुधीर सिंह, राजू दूबे, ताराचंद अग्रहरि, दिनेश सिंह, बबलू सिंह, चन्नू कोल, पवन सिंह आदि ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया। उप प्रबंधक सेतु निगम आरएस उपाध्याय ने बताया कि पुल के दोनों छोर पर अप्रोच बनाने का कार्य शुरु है। अप्रैल तक पुल से आवागमन शुरु हो जाएगा।

गेहूं खरीद व शिकायत के आधार पर प्रभारियों की तय होगी रेटिग

मीरजापुर । केंद्र प्रभारियों की खरीद के साथ ही मिलने वाली शिकायतों की जांच की जाएगी। इसके आधार पर सभी केंद्र प्रभारियों की रेटिग तय की जाएगी। प्रभारी के अस्वस्थ होने अथवा उन्हें आवश्यक कार्य होने पर उच्चाधिकारियों को सूचना देने के बाद ही वह केंद्र छोड़ें। एक से सात अप्रैल तक सभी एसडीएम क्रय केंद्रों का निरीक्षण करके रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। यह दिशा-निर्देश जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को गेहूं खरीद 2022-23 के लिए कार्यशाला के दौरान संबधितों को दिया। भारतीय किसान यूनियन के प्रतिनिधियों ने इस दौरान समस्याओं को डीएम के समक्ष रखा। मांग की कि गेहूं बिक्री के लिए आनलाइन पंजीयन के बाद किसानों को सत्यापन के लिए भटकना न पड़े। डीएम ने सभी एसडीएम को निर्देश दिया कि आनलाइन पंजीयन का ससमय सत्यापन कराना सुनिश्चित करें। क्रय केंद्रों पर संपर्क करने वाले किसानों को उनके संपर्क रजिस्टर की पावती भी दी जाए, जिससे किसानों को संपर्क रजिस्टर पता हो। एक अप्रैल तक क्रय केंद्रों के सत्यापन के संबंधित अधिकारी निर्धारित प्रारूप का निरीक्षण करते हुए संपर्क रजिस्टर को प्रमाणित करेंगे। सभी संस्था प्रभारी सुनिश्चित करें कि हर केंद्र पर लगभग 600 बोरा न्यूनतम उपलब्ध रहे। किसी भी हाल में बोरे की कमी नहीं होने पाए। बोरे की कमी होने पर केंद्र प्रभारी, अपने संस्था प्रभारी को जानकारी देने के साथ ही व्हाट्सएप गुरूप में भी सूचना अवश्य दें। डिप्टी आरएमओ धनंजय सिंह को निर्देश दिया कि खरीद, पंजीकरण संबंधी सूचना नियमित मीडिया को भी उपलब्ध कराएं। गेहूं खरीद प्रभारी व एडीएम शिव प्रताप शुक्ला ने गेहूं खरीद के लिए जनपद में की गई तैयारियों की जानकारी दी। एसडीएम सदर चन्द्रभानु सिंह, मड़िहान सिद्धार्थ यादव, चुनार नीरज प्रसाद पटेल, लालगंज विजय नारायण सिंह, एसएमआई रंजन सिंह, सुरेंद्र पाल, मंडी सचिव दिलीप सिंह रहे।

अब विध्यवासिनी मंदिर पर नहीं जलेगा दीपक

विध्याचल (मीरजापुर) । चैत्र नवरात्र पर चलने-फिरने में अक्षम श्रद्धालु भी मां विध्यवासिनी का सुगमता से दर्शन-पूजन कर सकेंगे। इसके लिए न्यू वीआइपी व पुरानी वीआइपी मार्ग पर व्हीलचेयर रखा जाएगा। श्रद्धालु व्हीलचेयर के माध्यम से आसानी से विध्यवासिनी मंदिर तक पहुंच सकेंगे। मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने रविवार की रात विध्याचल पहुंचकर नवरात्र मेला के लिए चल रही तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विध्यवासिनी मंदिर की सीढ़ियों पर दीपक जलते देख मंडलायुक्त ने तीर्थ पुरोहित को फटकार लगाई। कहा कि नवरात्र भर मंदिर पर दीपक नहीं जलाया जाएगा। नवरात्र बाद दीपक स्थल को विस्थापित किया जाएगा। कुछ दुकानदार आगे बढ़कर दुकान लगा रखे थे। मंडलायुक्त ने दुकानदारों को फटकार लगाई। पुरानी वीआइपी मार्ग पर चौड़ाई के साथ टेंट व दरी बिछाने का निर्देश दिया। पक्का घाट, न्यू वीआइपी रोड पर आरसीसी सड़क निर्माण की स्थिति को देखा। पहले विध्यवासिनी मंदिर पर मुंडन संस्कार होता था। अब श्रद्धालु गंगा घाटों पर मुंडन संस्कार करा सकेंगे। नाव हादसा रोकने के लिए मंडलायुक्त ने कहा कि नाव संचालन के लिए नाविकों को नगर पालिका से रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन कराने के लिए नाविकों को आधार कार्ड, फोटो व तीन सौ रुपये शुल्क देना होगा। इसके बाद 50 रुपये नवरात्र का शुल्क देना होगा। विध्याचल में कुल 74 नाविक हैं। नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह को अटल चौक पर प्रकाश व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। एडीएम वि एवं राजस्व शिवप्रताप शुक्ल ने कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्र गंगा घाटों पर दोगुना कर दिया जाए। गंगा घाटों पर एलाउंसमेंट पक्का घाट से होगा और दूसरा एलाउंसमेंट थाना कोतवाली रोड से होगा। इस दौरान जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार, ईओ नगर पालिका ओमप्रकाश, एक्सीईएन विद्युत विभाग मनोज यादव, पीडब्लूयूडी के एक्सीईएन आदि थे।

विद्युत इंजीनियर्स संघ ने मांगों को लेकर बुलंद की आवाज

मीरजापुर । विद्युत विभाग के इंजीनियर अपनी मांगों को लेकर धरना जारी रखे हुए है। मंगलवार को भी नगर के फतहां स्थित मुख्य अभियंता कार्यालय पर धरना व प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि जबतक उनकी मांगे पूरी नहीं जाएंगी तबतक वे लोग धरना प्रदर्शन जारी रखेंगे। पदाधिकारियों ने कहा कि एई व जेई का उत्पीड़न तत्काल बंद कर ऊर्जा नियमों में बदलाव किया जाए। साथ ही अधिकारियों को बेहतर विद्युत व्यवस्था कायम रखने में सुविधाओं दी जाए, जिससे उनको कार्य करने में आसानी हो। पदाधिकारियों ने कहा कि 700 करोड़ रुपये की खरीदी गई ईआरपी साफ्टवेयर की सीबीआई जांच कराई जाए। मैन मैटेरियरल संसाधन के अभाव में विद्युत आपूर्ति को 24 घंटे मेंटेन करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए कर्मचारियों व अधिकारियों को विभागीय स्टोर के माध्यम से संसाधन जैसे केबल, लग्स, ट्रांसफार्मर ऑयल, हाइड्रोलिक्स सीढ़ी, प्लास, क्लैम्पस, मेगर्स, प्लायर, अर्थिंग, टेस्टर इत्यादि उपलब्ध कराए जाए, जिससे सरकार के विद्युत आपूर्ति जैसी महात्वाकांक्षी योजना को जनहित में सुचारू रूप से लागू की जा सके और उपभोक्ताओं को अनवरत विद्युत आपूर्ति व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। यूपीपीसीएल के ऊर्जा क्रय अनुबंध इकाई की कैग आडिट कराई जाए। उत्तर प्रदेश की सभी ऊर्जा नियमों का एकीकरण कर राज्य विद्युत परिषद का निर्माण कराया जाए। हमारे तपीय परियोजनाओं का कायेले का भुगतान ससमय किया जाए, जिससे उन्हें समय पर कोल इंडिया से कोल मिल सके। सस्ती दरों में स्वतपीय परियोजनाओं से उत्पीदित ऊर्जा को खरीदा जा सके। इससे जनता को सस्ते दरों में बिजली 24 घंटे मिल सके। इस दौरान सुमित यादव, विपिन पटेल, अभय सिंह, विनय बिद, जगजीवनराम, विनय कुमार, अवधेश कुमार, पृथ्वी पाल, शंभूनाथ आदि शामिल रहे।

विजयलाल अध्यक्ष व मनीष वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने

मीरजापुर । राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद शाखा मीरजापुर का द्विवार्षिक चुनाव मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुरुसंडी पर आयोजित किया गया। चुनाव अधिकारी डा. अशोक कुमार पांडेय सहायक अभियंता व वरिष्ठ उपाध्यक्ष के द्वारा चुनाव कराया गया। इसमें अध्यक्ष विजयलाल दूबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष कुमार जासवाल, उपाध्यक्ष इंद्रजीत शुक्ला, उपाध्यक्ष पवन कुमार, महामंत्री आनंद कुमार सिंह, संप्रेक्षक सुरेश कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष जेपी दूबे, प्रवक्ता विशाल मालवीय, संघर्ष समित की चेयरमैन शकुंतला मिश्रा चुनीं गई।चुनाव के बाद एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव सिंघल रहे। कार्य क्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रभारी चिकित्साधिकारी गुरूसंडी पीएचसी ने कहा कि अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाने के लिए एक संगठन का होना बहुत जरूरी है। इस दौरान मोहनलाल यादव, संरक्षक बबलू खान, एसवी सिंह, राकेश कुमार, राज, अश्वनी कुमार, अरविद कुमार, आदि लोग मौजूद रहे।

बीईओ ने विद्यालयों का निरीक्षण कर परखी व्यवस्था

अहरौरा (मीरजापुर) । परिषदीय विद्यालयों में चल रहे वार्षिक परीक्षा के दौरान बीईओ जमालपुर अरुण सिंह ने मंगलवार को सुबह घाटमपुर, बाराडीह, कौड़िया सहित अन्य विद्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एमडीएम, छात्रों की संख्या, विद्यालयों की स्थिति सहित अभिलेखों का जायजा लिया। बीईओ ने प्राथमिक विद्यालय घाटमपुर में साफ-सफाई दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। विद्यालय में शौचालय व पेयजल स्थिति का जायजा लिया। पेयजल समस्या पर कार्रवाई का निर्देश दिया। बीईओ ने बताया कि नया सत्र शुरू होने से पूर्व विद्यालय का रूटीन चेकिग किया गया है। कुछ विद्यालयों में थोड़ी दिक्कत है उसे समय रहते पूरा करा लिया जाएगा।

दो वर्ष बाद चैत्र नवरात्र पर गुलजार होगा विध्य दरबार

मीरजापुर । चैत्र नवरात्र मेला दो अप्रैल से शुरु होकर नौ अप्रैल तक चलेगा। पिछले दो साल से कोरोना की वजह से नवरात्र मेला नहीं लग पा रहा था। कोरोना काल के बाद चैत्र नवरात्र पर विध्य दरबार फिर गुलजार होगा। विध्यधाम में भारी भीड़ होने के ष्टिगत प्रशासन के साथ दुकानदारों ने भी तैयारियां शुरु कर दी है। कोरोना के चलते मंदी की मार झेल रहे दुकानदारों को चैत्र नवरात्र से काफी उम्मीद है। विध्यवासिनी मंदिर के श्रृंगारिया विश्वमोहन उर्फ शिवजी मिश्र ने बताया कि आस्था में तर्क के लिए कोई स्थान नहीं होता लेकिन कोरोना संक्रमण की वजह से ऐसा पहली बार हुआ था जब नवरात्र के समय विश्व प्रसिद्ध विध्याचल मंदिर बंद कर दिया गया था। श्रद्धालुओं के दर्शन-पूजन पर रोक लगा दी गई थी। ऐसी अभूतपूर्व बंदी देख हर कोई सहमा-सहमा सा था। कोरोना के चलते चार नवरात्र पाबंदियों के बीच गुजरा। कोरोना काल के दो साल बाद दो अप्रैल से चैत्र नवरात्र मेला का आगाज होगा। नवरात्र के समय देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालु आदिशक्ति जगत जननी मां विध्यवासिनी के साथ विध्य पर्वत पर विराजमान मां अष्टभुजा व कालीखोह माता का दर्शन-पूजन कर त्रिकोण परिक्रमा भी करते है। ऐसे में चैत्र नवरात्र पर विध्यधाम के साथ विध्य पर्वत भी भक्तों से गुलजार नजर आएगा। विध्याचल के दुकानदार राहुल गुप्ता, किल्लू यादव, श्यामू गुप्ता, रवि गुप्ता ने बताया कि कोरोना के चलते पाबंदियों के बीच मंदी की मार झेल रहे थे। दो साल बाद पाबंदी से मुक्ति मिली और इस बार चैत्र नवरात्र मेला के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। ऐसे में हम सभी दुकानदारों ने तैयारी शुरु कर दी है। नारियल, चुनरी, लाचीदाना व प्रसाद स्वरूप अन्य सामान का स्टाक करने में जुटे है। चैत्र नवरात्र मेला को पांच दिन शेष विध्याचल : चैत्र नवरात्र को पांच दिन शेष है लेकिन तैयारियां अभी धीमी है। मंडलायुक्त से लेकर जिलाधिकारी तक विध्यधाम का निरीक्षण कर ससमय नवरात्र मेला तैयारी पूर्ण करने का निर्देश दिया है। आलम यह है कि सफाई व्यवस्था भी दुरुस्त नहीं हो पा रही है। गंगा घाट पर दीवान घाट से लेकर अखाड़ा घाट तक अस्थाई शौचालय तो बन गया है, लेकिन अभी तक प्रकाश के लिए न तो बास-बल्ली लगा है और न ही गंगा में सनन करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग की गई है। हालांकि विध्यवासिनी मंदिर के साथ कालीखोह व अष्टभुजा मंदिर का रंग-रोगन शुरु हो गया है। मंदिर के चारों तरफ बैरिकेडिग का भी कार्य चल रहा है। वहीं नंगे पांव परिक्रमा करने वाले भक्तों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए सड़क मरम्मत के साथ दरी बिछाया जाएगा। थाना कोतवाली रोड पर बालू तो बावली तिराहा के पास गिट्टी बिछाया जा रहा है।

टोल प्लाजा हटाने तक किसान करेंगे आंदोलन

अहरौरा (मीरजापुर) । टोल प्लाजा हटाने तक किसान आंदोलन करेंगे। इस बाबत शनिवार को किसानों ने भावी रणनीति तय की। क्षेत्र के कजाकपुर गांव में स्थित बाडूबीर बाबा मंदिर पर शनिवार को भाकियू के तत्वावधान में बैठक हुई। इसमें एसएच 5 पर वनस्थली महाविद्यालय के पास अस्थाई टोल प्लाजा लगाने के विरोध में किसानों ने आंदोलन शुरू करने के लिए रणनीति बनाई। भाकियू के प्रदेश सचिव प्रहलाद सिंह ने कहा कि एसएच-5 पर वनस्थली महाविद्यालय के पास अवैधानिक रूप से टोल प्लाजा स्थापित किया गया है, जिसको लेकर स्थानीय नागरिकों में रोष है। सोमवार से भाकियू के बैनर तले किसान संग स्थानीय नागरिक टोल प्लाजा के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करेंगे, जिसको लेकर रणनीति तैयार की गई है। भाकियू के प्रदेश सचिव सिद्धनाथ सिंह ने बताया कि जब तक अवैध रूप से स्थापित किए गए टोल को हटाया नहीं जाएगा तब तक किसान आंदोलन करते रहेंगे। बैठक के बाद किसानों ने नगर भ्रमण कर नगरवासियों से आंदोलन में सहयोग करने की अपील की। इस दौरान कंचन सिंह फौजी, राजेश सिंह, अनिल सिंह, वीरेंद्र सिंह, स्वामी दयाल, धर्मेंद्र सिंह, रामश्रृंगार, संतोष कुमार सिंह, चूल्हन, छन्नू सिंह, अखिलेश, भवन सिंह, रत्तन पटेल आदि रहे।

निर्माणाधीन जल संयंत्र का विधायक ने किया निरीक्षण, लगाई फटकार

सोनभद्र । राबर्ट्सगंज नगर में पेयजल व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए बुधवार को सदर भाजपा विधायक भूपेश चौबे ने दंडइत बाबा मंदिर के पास निर्माणाधीन जल सयंत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्य में संतोषजनक स्थिति न मिलने पर विधायक ने मंडालयुक्त को फोन लगा संबंधितों की शिकायत की। इसके बाद जल निगम के अधिशासी अभियंता को फोन करके कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। चेतावनी दिया कि अगर जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं किया तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभाग के किसी अधिकारी के मौजूद न रहने पर भी कड़ी नाराजगी दर्ज कराई। कहा कि हर घर जल योजना को जल्द से जल्द जमीन पर लाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। कहा कि इस महत्वपूर्ण योजना में किसी भी स्तर पर लापरवाही होती है तो संबंधितों के ऊपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कहा कि जो ठेकेदार कार्य में रुचि नहीं लेगा उसको काली सूची में डाल दिया जाएगा। श्री चौबे ने बताया कि निरीक्षण के दौरान योजना में व्यापक गड़बड़ी मिली है। संबंधितों के साथ वार्ता कर इसकी जांच करवाई जाएगी। जांच में दोषी मिलने पर कार्रवाई तय है। इस मौके पर संजू श्रीवास्तव, मनोज दुबे, बोला चेरो, गौरव शुक्ला, देवेंद्र सिंह, उत्कर्ष पांडे, शिवम, राजन आदि रहे।

अगलगी से निपटने के लिए तहसील पर नहीं कोई इंतजाम

दुद्धी (सोनभद्र) । अगलगी की घटना से निपटने के लिए तहसील मुख्यालय पर कोई इंतजाम नहीं है। तहसील मुख्यालय एवं आसपास की करीब तीन लाख से अधिक आबादी को इस आपात स्थिति में आसपास के लोगों की सहानुभूति पर ही निर्भर रहना पड़ता है। बीते दिनों में हुए कई हादसों में देखा गया है कि जब तक अगिन्शमन दस्ते की गाड़ी चोपन या रेणुकूट से मौके पर पहुंचती है तब तक पीड़ित परिवार पूरी तरह से बर्बाद हो चुका होता है। प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए तत्कालिक तौर पर पूर्व की भांति तहसील मुख्यालय पर फायर सर्विस की एक टुकड़ी तैनात करने की मांग की है। इस बाबत नगर पंचायत चेयरमैन राजकुमार अग्रहरि, दुद्धी बार एसोसियेशन के अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव, सिविल बार के इल्डर कमेटी के चेयरमैन रामलोचन तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश अग्रहरि, रामपाल जौहरी, युवा व्यवसायी उत्कर्ष जायसवाल समेत कई अन्य लोगों ने बीते पखवारे भर के अंदर कई अगलगी की घटना में फायर सर्विस की भूमिका पर जमकर भड़ास निकाली। आक्रोशित लोगों ने कहा कि बड़े भूभाग में फैले दुद्धी तहसील क्षेत्र के लिए एक अलग से फायर ब्रिगेड की यूनिट लगाने की मांग बीते कई वर्षो से की जा रही है। हर साल इसके लिए सर्वे आदि की प्रक्रिया एवं जमीन तलाशने का काम शुरू होने की औपचारिकता दिखाकर फिर फाइल बंद कर दी जाती है। परेशान हाल लोगों ने जिम्मेदार शीर्ष अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए तहसील मुख्यालय पर स्थाई तौर पर फायर दस्ते की तैनाती कराने की बात कही। इसके अलावा लोगों ने जोर देते हुए कहा कि जब तक पूरी यूनिट की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक के लिए यहां इस आपदा से निपटने के लिए पूर्व के वर्षो की भांति एक दमकल के साथ कर्मियों को तत्काल तैनात करने की मांग की। इसको लेकर एक प्रतिनिधि मंडल एसडीएम से मुलाकात कर इस अहम समस्या को उनके संज्ञान में लाने की बात भी बताई। किंतु प्रशासनिक तौर पर अभी तक इसके लिए कोई इंतजाम न होने से लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही थी।

निकास द्वार से दर्शन कराने वाले पुलिसकर्मियों व पुरोहितों पर होगी कार्रवाई

मीरजापुर । शनिवार को विध्य विकास परिषद के साथ चैत्र नवरात्र मेले की तैयारियों की समीक्षा की गई। निकास द्वार से दर्शन कराने वाले पुलिस कर्मियों व पुरोहितों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। मंदिर परिक्षेत्र की सुरक्षा-व्यवस्था और चाक-चौबंद होगी। संदिग्धों पर सीसीटीवी कैमरे की मदद से नजर रखी जाएगी। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने कहा कि निकास द्वार से दर्शन कराने वाले पुलिसकर्मियों व पुरोहित के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। मंदिर परिसर व सीढ़ियों पर दीप जलाने के साथ ही गर्भगृह में चरण स्पर्श पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। मां विध्यवासिनी के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों को बेहतर व्यवस्थाएं मिले, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि तीनों मंदिरों के सभी वायरिग व इलेक्ट्रिक सामानों की जांच कर लें। कमी होने पर दुरुस्त करा लें। विध्य विकास परिषद द्वारा कराए जाने वाले कार्यो के बारे में नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह ने जानकारी दी। बताया कि मां विध्यवासिनी मंदिर से जुड़े चार प्रमुख मार्गो पर लगभग 100-100 मीटर छायादार टेंट व मैट तथा मंदिर परिक्रमा पथ एवं प्रमुख स्थलों की बैरिकेटिग कराई जाएगी। मंदिर के पास विध्य विकास परिषद के कार्यालय में पुलिस कंट्रोल रूम एवं परिक्रमा पथ में जोनल मजिस्ट्रेट के लिए अस्थायी कैंप कार्यालय का निर्माण होगा। समीक्षा बैठक मे एडीएम शिव प्रताप शुक्ल, एएसपी संजय वर्मा, ईओ ओम प्रकाश आदि लोग मौजूद रहे।

बाइक से गिरकर दो व्यक्ति घायल, एक रेफर

घोरावल (सोनभद्र)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के हड़हिया पहाड़ी पर मंगलवार को बाइक सवार दो व्यक्ति गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। शाहगंज थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव निवासी पारस कोल (50) पुत्र बनारसी कोल एवं भदोही जिला निवासी कैलाश उर्फ बब्बल (42) पुत्र सूरज को मंगलवार दोपहर घोरावल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पारस ने बताया कि दोनों भदोही में ईट भट्ठा पर काम करते हैं। मंगलवार को दोनों भदोही से रघुनाथपुर जा रहे थे। पहाड़ी पर विपरीत दिशा से आ रही जीप से बचने में दोनों अनियंत्रित होकर बाइक से गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर एंबुलेंस द्वारा दोनों को घोरावल सीएचसी में भर्ती कराया गया। कैलाश को सिर में गंभीर चोट के कारण होने के कारण डाक्टर ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

आरसीबी के खिलाफ ये हो सकती है कोलकाता की प्लेइंग इलेवन वेंकटेश की बल्लेबाजी पर रहेगी नजर

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स जब रायल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में उतरेगी तो टीम के पास अपने जीत के सिलसिले को जारी रखने की जिम्मेदारी होगी। हालांकि ओपनिंग मैच में कोलकाता के गेंदबाजों का दम दिखा और चेनन्ई की टीम मुश्किल से 131 रन का स्कोर खड़ा कर पाई थी जिसे हासिल करने में कोलकाता की टीम को 19 ओवर लग गए। ऐसे में टीम के पास अपने बल्लेबाजों को परखने का पर्याप्त समय नहीं मिला था। केकेआर के लिए अच्छी बात ये थी कि अजिंक्य रहाणे ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई थी। कप्तान अय्यर ने नाबाद रहकर टीम को जीत दिलाई थी। कोलकाता के ओपनर- कोलकाता की ओपनिंग जोड़ी अजिंक्य रहाणे और वेंकटेश अय्यर के रूप में पहले मैच में उतरी थी। दोनों से इस मैच में भी उसी प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद होगी। मध्यक्रम में कोलकाता- कोलकाता का मीडिल आर्डर काफी स्ट्रांग नजर आ रहा है उसकी सबसे बड़ी वजह हैं कप्तान श्रेयस अय्यर वे पिछले मैच में फिनिशर के रोल में दिखे थे। उनके अलावा नीतीश राणा, सैम बिलिंग्स और सैम बिलिंग्स जैसे बल्लेबाज हैं। कोलकाता के पास एक्स फैक्टर के रूप में आंद्र रसेल हैं जो किसी भी मैच को अपने दम पर बदल सकते हैं। हालांकि पहले मैच में रसेल को बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला था। गेंदबाजी में कोलकाता- पिछले मैच की तरह इस मैच में भी टीम को उमेश यादव से काफी उम्मीदें होंगी। नई गेंद से उमेश ने सीएसके के खिलाफ टीम को शुरुआती विकेट दिलाए थे जिससे सीएसके उबर नहीं पाई थी। उनके अलावा टीम के पास सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, शिवम मावी और आंद्रे रसेल के रूप में गेंदबाजी विकल्प मौजूद है। वेंकटेश अय्यर, अजिंक्य रहाणे, नीतीश राणा, श्रेयस अय्यर (कप्तान), सैम बिलिंग्स, आंद्रे रसेल, शेल्डन जैक्सन (विकेटकीपर), सुनिल नरेन, शिवम मावी, उमेश यादव, वरुण चक्रवर्ती।

शेन वार्न कड़े प्रतिस्पर्धी थे और वो हमेशा हमारे दिलों में जीवित रहेंगे : सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली। सचिन तेंदुलकर ने दिवंगत शेन वार्न को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें 'कड़ा प्रतिस्पर्धी' करार दिया जिनका सामना करने के लिए हमेशा अलग तरह से तैयारी करनी पड़ती थी क्योंकि आस्ट्रेलियाई स्पिन दिग्गज 'माइंड गेम' खेलने में बहुत अच्छा थे और अपने हावभाव से कुछ भी अहसास नहीं होने देते थे।खेल के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक वार्न का 52 वर्ष की उम्र में चार मार्च को थाइलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। तेंदुलकर ने कहा, 'शेन वार्न के खिलाफ सही मायनों में मेरी पहली उचित सीरीज 1998 में भारत में थी। सभी ने उस सीरीज को तेंदुलकर बनाम शेन वार्न करार दिया था। और लोगों को याद दिलाने के लिए कि यह तेंदुलकर बनाम शेन नहीं है बल्कि भारत बनाम आस्ट्रेलिया थी। इस तरह की चीजें आपको दबाव में डाल देंगी। जब आप उनके जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज का सामना कर रहे हों तो आप चीजों को आसान मानकर नहीं चल सकते। इसलिए मुझे अच्छी तरह से तैयारी करनी थी, न केवल नेट पर बल्कि जब आप कमरे में बैठे हों तब भी आपको उससे एक कदम आगे रहना होगा। आपको यह जानना होगा कि वह क्या सोच रहा होगा क्योंकि वह दबाव बनाने में बहुत अच्छा था और माइंड गेम खेलता था और आपको आउट करने की रणनीति बनाता रहता था।' तेंदुलकर का कई बार वार्न से आमना-सामना हुआ लेकिन भारत में 1998 की सीरीज क्रिकेट किस्सों में अहम स्थान रखती है। तेंदुलकर ने कहा, 'आप उनके हाव भाव पर गौर करते हों, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। उनके हाव भाव के बारे में कोई नहीं जानता था चाहे वार्न ने चार विकेट लिए हों, पांच विकेट लिये हों या एक भी विकेट नहीं लिया हो। वह कड़े प्रतिस्पर्धी थे और उनकी प्रत्येक गेंद में इसका पता चलता था।' उन्होंने कहा, 'इसलिए यदि आप दिन के आखिरी ओवरों में भी उनका सामना कर रहे हों तब भी आपको सतर्क रहना होता था। कई अच्छे स्पिनर थे, लेकिन शेन सबसे हटकर थे। वह उन कुछेक गेंदबाजों से एक थे जिनके खिलाफ आप गेंद को उछाल पर नहीं मार सकते थे।' वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा ने भी वार्न की प्रशंसा की और उन्हें आस्ट्रेलिया का सबसे सक्षम खिलाड़ी करार दिया।

दक्षिण अफ्रीकी खिलाडियों का आइपीएल को प्राथमिकता देने पर एल्गर को दिक्कत नहीं

डरबन। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान डीन एल्गर का कहना है कि वह अपने देश के खिलाडियों के बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बजाय आइपीएल को चुनने के फैसले से सहज महसूस कर रहे हैं क्योंकि इन दो में से एक को चुनने के लिए कहे जाने पर उन्हें थोड़ा असहज स्थिति में डाल दिया था। इस महीने की शुरुआत में एल्गर ने अपने साथियों से आइपीएल पर बांग्लादेश के खिलाफ एक सीरीज को चुनने का आग्रह किया था और इसे उनकी वफादारी की परीक्षा बताया था। दक्षिण अफ्रीका के जिन खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में चुना जाना था उन्होंने गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज के बजाय आइपीएल को तरजीह दी। एल्गर ने कहा, 'मैं उन खिलाड़ियों के साथ बैठने में सहज हूं जो यहां नहीं हैं। मैंने उन खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति जानने के लिए उनके साथ वास्तव में कुछ अच्छी, विस्तार से बातचीत की। उन्होंने जो जवाब दिए मैं उनको लेकर सहज हूं।' बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को अपने तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा, लुंगी नगिदी और मार्को जेनसेन के अलावा चोट से उबर रहे एनरिक नोर्त्जे की कमी खलेगी। बल्लेबाज एडेन मार्करैम और रासी वान डेर डूसेन भी टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हैं। एल्गर ने कहा, 'मैं जो कह सकता हूं और जो नहीं कर सकता, उसको लेकर मेरी अपनी सीमाएं हैं लेकिन मुझे लगता है कि खुद को (टेस्ट सीरीज के लिए) उपलब्ध रखने के लिए कहने पर खिलाड़ियों को थोड़ा असहज स्थिति में डाल दिया था।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें ऐसी स्थिति में डाल दिया गया था जो अपरिहार्य थी, इस बात को ध्यान में रखते हुए कि काफी खिलाड़ियों को पहले कभी आइपीएल का अनुभव नहीं था। मुझे नहीं लगता कि वे इस प्रतियोगिता में अपने भविष्य को लेकर नुकसान पहुंचाना चाहते थे।'

इस खिलाड़ी के रिटायरमेंट के बाद भावुक हो गए थे विराट कोहली.................

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग का ये पहला ऐसा सीजन है जिसमें एबी डिविलियर्स खेलते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। वे उन चुनिंदा खिलाडियों में हैं जिनके फैंस भारत में ज्यादा है। आइपीएल में उनकी और विराट कोहली की जोड़ी को सब लोग मिस करते हैं। इतना ही नहीं वे ऐसे एकमात्र बाहरी खिलाड़ी हैं जो 2008 से 2021 तक हर आइपीएल खेले हैं। लेकिन 2021 के आइपीएल सीजन के बाद उन्होंने क्रिकेट से रिटायर होने की घोषणा कर दी थी। विराट कोहली ने डिविलियर्स की उन क्षणों को एक बार फिर से याद किया है। आरसीबी के ट्विटर हैंडल से एक वीडियो जारी किया गया है जिसमें कोहली उस बारे में बात कर रहे हैं जब उन्होंने पहली बार सुना था कि डिविलियर्स ने रिटायरमेंट की घोषणा कर दी है। यह मेरे लिए स्ट्रेंज था। मुझे याद है जब वे रिटायर हुए थे तो उन्होंने मुझे एक आडियो संदेश भेजा था। मुझे अब भी याद है मैं वर्ल्ड कप के बाद दुबई से लौट रहा था और मुझे ये संदेश मिला था। जब मैं घर पहुंचा तो मैंने इसे खोला और सुना। अनुष्का मेरे साथ थी मैंने उसे ऐसे देखा पहली बात जो उसने कही थी कि मुझे मत बताओ वो जानती थी कोहली ने पिछले सीजन को याद करते हुए कहा कि उन्हें इस बारे में संकेत मिल गए थे।दोनों के कमरे आस-पास थे। एक दिन उसने कहा कि तुम्हारे साथ बैठकर काफी पीना चाहता हूं तभी हमें लगा कि कुछ होने वाला है। उन्होंने पहले ऐसे कभी नहीं बात की थी, क्योंकि हम लोग हमेशा बात करते रहते थे। ये मेरे लिए कुछ अलग सी फीलिंग थी। आडियो सुनकर मैं काफी भावुक हो गया था आइपीएल के इस सीजन में आरसीबी को एबी की कमी खल रही है। उनके होने से आरसीबी का मध्यक्रम स्ट्रांग था। अब मध्यक्रम की जिम्मेदारी विराट कोहली के हाथों में है। इस सीजन में आरसीबी अपने पहले मैच में 200 से ज्यादा स्कोर बनाने के बाद भी हार गई थी। इस मैच में कोहली ने 41 रनों की पारी खेली थी।

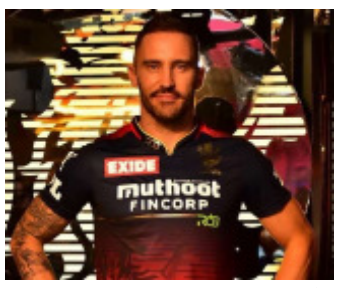

कोलकाता और आरसीबी के बीच होने वाले मैच का आनंद लेना चाहते हैं तो अपनाएं ये तरीका

नई दिल्ली।डीवाई पाटिल स्टेडियम में जब रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम आमने-सामने होगी तो आरसीबी के सामने पिछले मैच की हार से सबक लेते हुए अपनी टीम को एक नए जोश के साथ उतारने की जिम्मेदारी होगी जबकि केकेआर अपनी जीत के सिलसिले को यहां भी जारी रखना चाहेगी। इस मैदान पर दोनों टीमों की कोशिश टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने की होगी जिससे कि बाद में ओस के कारण उनके गेंदबाजों को समस्या का सामना न करना पड़े पहले मैच में आरसीबी की बल्लेबाजी अच्छी रही थी और कप्तान डु प्लेसिस ने 88 और कोहली ने 41 रन की पारी खेली थी बाद में कार्तिक ने 14 गेंदों पर 32 रन की पारी खेलकरर टीम को 205 रन तक के स्कोर तक पहुंचाया था लेकिन आरसीबी के गेंदबाज इस बड़े टोटल को भी डिफेंड नहीं कर पाए। सबसे ज्यादा खर्चीले मोहम्मद सिराज रहे थे जिन्होंने अपने 4 ओवर में 59 रन खर्च किए थे। दूसरी तरफ कोलकाता की टीम एकदम बैलेंस नजर आ रही है। पहले मैच में जीत से टीम का हौसला बुलंद है। अगर आप भी इस मैच का आनंद लेना चाहते हैं तो आइए मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों पर नजर डालते हैं। कब होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच यह मैच 30 मार्च, बुधवार को होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच यह मैच। कहां होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच यह मैच रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच यह मैच डीवाई पाटिल स्टेडियम में होगा। कितने बजे शुरू होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच यह मैच?रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच यह मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगी। कितने बजे होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच इस मैच का टास। रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच होने वाले इस मैच को कहां देख सकते हैं?रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच होने वाले इस मैच को स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और हाटस्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा मैच से जुड़ी हर खबर को आप दैनिक जागरण की वेबसाइट पर पढ़ सकते हैं।

लखनऊ सुपर जायन्ट्स के साथ क्रिकेट का जश्न मनाने के लिए पेश किया अनूठा गीत

नई दिल्ली। इंटीरियर के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी कंपनी जिसके पास प्लाईवुड, सजावटी विनियर्स, फ्लश दरवाज़ों एवं अन्य संबंधित उत्पादों की व्यापक रेंज के निर्माण एवं विपणन में 30 साल से अधिक का अनुभव है। कंपनी ने लखनऊ सुपर जायन्ट्स के साथ अपनी साझेदारी के मद्देनज़र टीम का प्रचार करने के लिए एक गीत 'जलवा दिखेगा' लेकर आया है। यह गीत क्रिकेट के खेल और राज्य की भावना को दर्शाता है तथा ब्राण्ड को दर्शकों के साथ जोड़ता है। इस वीडियो को आप यहां देख सकते हैं- इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए श्री सानिध्य मित्तल ने कहा, ये गतिविधियां हमारे ब्राण्ड को दर्शकों के साथ जोड़ने में कारगर साबित होंगीं। हम दर्शकों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर उपभोक्ताओं के साथ जुड़ने के लिए कई पहलों का आयोजन भी करेंगे।ने टी20 टूर्नामेन्ट में उत्तर प्रदेश की पहली टीम लखनऊ सुपर जायन्ट्स के साथ एसोसिएट पार्टनर के रूप में हाथ मिलाया है। इस साझेदारी के तहत मैच के दिन लखनऊ सुपर जायन्ट्स टीम के खिलाड़ी एवं आधिकारिक सदस्यों की जर्सी के दायीं ओर ग्रीनप्लाई का लोगो होगा। यह लोगो टीम के मैचों के दौरान स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। इस साझेदारी के तहत डिजिटल एवं सोशल मीडिया पर 360 डिग्री अभियान की शुरूआत भी की गई है, जो पूरे टूर्नामेंट के दौरान जारी रहेगा। ऊाहज्त्ब् अपने ट्रेड एवं इन्फ्लुएंसर साझेदारों के लिए ऑनलाइन गेम का आयोजन भी करेगा।

पाकिस्तान के बाबर ने तोड़ा दिग्गज का रिकार्ड, कोहली छूटे काफी पीछे

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। तीन मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में उन्होंने वनडे क्रिकेट में अपने 4 हजार रन पूरे किए। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज इस आंकड़े तक पहुंचने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के महान विवियन रिचर्ड्स और भारतीय दिग्गज विराट कोहली को पीछे छोड़ा। पाकिस्तान की टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेलने उतरी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। मेहमान टीम ने ट्रेवस हेड की शानदार शतकीय पारी, बेन मैकडोरमेट के अर्धशतक और कैमरून ग्रीन के तेज 40 रन की बदौलत के दम पर 7 विकेट पर 313 रन की विशाल स्कोर खड़ा किया।

केकेआर के खिलाफ मैच में ये हो सकती है आरसीबी की प्लेंईग इलेवन, इस खिलाड़ी को मिल सकता है मौका

नई दिल्ली। कोलकाता के खिलाफ बैंगलोर की टीम जब आइपीएल के अपने दूसरे मैच में उतरेगी तो टीम के सामने जीत दर्ज करने की चुनौती होगी। पहले मैच में 200 से ज्यादा का स्कोर बनाने के बावजूद टीम के गेंदबाजों ने निराश किया था इसलिए हो सकता है गेंदबाजी लाइनअप में कुछ नए चेहरों को जगह मिले। टीम की कमान पहली बार फाफ डु प्लेसिस के हाथों में हैं और पहले मैच में उन्होंने अपने बल्ले से सबको एंटरटेन किया था। इतना ही नहीं उनका साथ दिया था युवा बल्लेबाज अनुज रावत ने जिन्होंने 21 रन की पारी खेली थी। आरसीबी की ओपनिंग जोड़ी- पिछले मैच में कप्तान डु प्लेसिस और अनुज रावत ने ओपनिंग किया था लेकिन हो सकता है कि इस मैच में फाफ के साथ विराट नजर आ सकते हैं, क्योंकि विराट के बल्लेबाजी क्रम को लेकर पिछले कुछ दिनों से काफी चर्चाएं हो रही हैं। मध्यक्रम में आरसीबी- जब तक ग्लेन मैक्सवेल नहीं आ जाते तब तक आरसीबी का मध्यक्रम पूरी तरह से विराट कोहली और दिनेश कार्तिक के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। पहले मैच में दोनों ने अच्छी बल्लेबाजी भी की थी। इसके अलावा शेरफेन रदरफोर्ड के रूप में भी टीम के पास एक आलराउंडर उपलब्ध है। गेंदबाजी में आरसीबी- पिछले मैच में 200 से ज्यादा का स्कोर न डिफेंड कर पाना टीम के गेंदबाजों के लिए चिंता का विषय है। टीम के प्रमुख गेंदबाज मोहम्मद सिराज को पिछले मैच में 4 ओवर में 59 रन पड़े थे। इसके अलावा वानिंदू हसरंगा भी कुछ कमाल नहीं दिखा पाए थे। इस बार आकाशदीप की जगह कर्ण शर्मा को मौका मिल सकता है। हर्षल पटेल पिछले सीजन में पर्पल कैप होल्डर रहे थे। इस सीजन में भी टीम को उनसे उसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी। फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), अनुज रावत, विराट कोहली, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, शहबाज अहमद, वानिंदू हसरंगा, डेविड विली, हर्षल पटेल, मोहम्मद सिराज और कर्ण शर्मा

शुभमन गिल को सहवाग ने लताड़ा, कहा- क्या ऐसा शाट मैं, तेंदुलकर या फिर गंभीर खेल सकते थे

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ तीन गेंदों का सामना करते हुए डक पर आउट होकर पवेलियन लौट गए थे। आइपीएल 2022 के चौथे लीग मैच में गिल ने मैथ्यू वेड के साथ गुजरात के लिए पारी की शुरुआत की थी, लेकिन वो चल नहीं पाए। पहले ओवर में दुष्मंथा चमीरा की एक गेंद पर वो पुल शाट खेलना चाहते थे, लेकिन वो उसे सही तरीके से टाइम नहीं कर पाए और बैकवार्ड प्वाइंट पर क्रुणाल पांड्या ने उनका कैच लपक लिया। इस मैच में गुजरात की टीम 159 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थी, लेकिन गिल जिस तरह से आउट हुए उसके बाद कई क्रिकेट दिग्गजों ने उन्हें लापरवाह करार दिया। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग भी गिल के आउट होने के तरीके से नाखुश नजर आए। खास तौर पर गिल ने कहा था कि उन्होंने कुछ चीकी शाट्स सीखे हैं और इस पर सहवाग ने अपनी राय रखी। सहवाग ने कहा कि इस 22 वर्षीय बल्लेबाज को कुछ भी अलग करने की जरूरत नहीं है बल्कि उन्हें सिर्फ अपने बेसिक पर ही ध्यान देना है। सहवाग ने क्रिकबज के साथ बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि वह एक बेहतर एकदिवसीय खिलाड़ी हैं। क्योंकि टी20 क्रिकेट में वही खिलाड़ी सफल होते हैं जो पावरप्ले के अंदर अपनी मर्जी से बाउंड्री मार सकते हैं। उसी पर काम करने की जरूरत है।

राशिफल

मेष-:आप किसके साथ आर्थिक लेन-देन कर रहे हैं, इस बात से सावधान रहें। दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ शाम के कार्यक्रम में शामिल हों।

वृष-:आज का दिन यात्रा में व्यतीत होगा. आपकी यात्रा ऑफिस के काम से जुड़ी हो सकती है। यात्रा के दौरान किसी दूर के रिश्तेदार से मुलाकात होगी।

मिथुन-:आज आपके विरोधी भी दोस्ती का हाथ बढ़ाएंगे. आज किसी पड़ोसी का व्यवहार आपको आहत कर सकता है। आप उसकी बातों को नजरअंदाज करने की कोशिश करते हैं।

कर्क-:लंबी अवधि के मुनाफे की दृष्टि से शेयरों और म्यूचुअल फंड में निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने फैसले बच्चों पर थोपना उन्हें गुस्सा दिला सकता है।

सिंह-:आज आपका दिन व्यस्तताओं से भरा कारोबारी मामलों में आप कुछ खास बदलाव कर सकते हैं, लेकिन बदलाव करने से पहले आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

कन्या-:आज आपको व्यापार में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आप इस समय का सदुपयोग अपने व्यापार को बढ़ाने में कर सकते हैं। प्रतियोगिता में बेहतर बने रहें।

तुला-:कुछ ऐसी घटनाएँ आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं, जिनसे बचना संभव नहीं है. लेकिन आप शांत रहें और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत कोई प्रतिक्रिया न दें।

वृश्चिक-:आज आपके मन में नए विचार आएंगे. आने वाले कुछ दिनों में कोई बड़ा काम प्लान हो सकता है। साथ ही किसी खास काम के लिए सोचने और समझने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

धनु-:आज का दिन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। परिवार के सदस्यों का सहयोग आपको मिल सकता है। काम की सफलता और नए काम की शुरुआत के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा।

मकर-:गलतफहमियों के कारण आपके और आपके प्रिय के बीच कुछ अनबन हो सकती है. आपको याद रखना चाहिए कि प्यार के लिए भी गंभीरता की आवश्यकता होती है

कुंभ-:आज का दिन आपके लिए काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है. इस राशि के लोग आज किसी बड़ी योजना की शुरुआत कर सकते हैं। जिसका लाभ उन्हें बाद में अवश्य मिलेगा।

मीन-:आज आप नौकरी में बहुत मेहनत करने वाले हैं. आप अपने काम को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। आज आप कोई भी पहल करें या कोई नया कदम उठाए

सम्पादकीय

स्थानीय व्यवसाय से बनी वस्तुओं को कैसे बनाया जाए वैश्विक ब्रांड

सरकार और अभिजीत कामरा। हमारे देश से होने वाला व्यापक निर्यात देश में रोजगार सृजन करने और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत सरकार के 'मेक इन इंडियाऽ कार्यक्रम के तहत देश में विभिनन्न उत्पादों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया, जो अब घरेलू बाजार की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। परंतु ये निर्माता और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) इस निर्यात अवसर का अपने फायदे के लिए कैसे लाभ उठा सकते हैं भारत में, कारोबारी हमेशा अपने निर्मित माल को विभिनन्न देशों में निर्यात करने के तरीकों की तलाश में रहते हैं। वे संभावित बाजारों के बारे में सूचना के लिए व्यापार संघों पर निर्भर हैं और अक्सर उन देशों में आयातकों की सूची के साथ उनकी मदद करते हैं। इसका मतलब यह है कि कोई भी निर्यातक जो एक नया बाजार तलाशना चाहता है, उसे अपने उत्पादों को उन देशों में प्रदर्शनियों या व्यापार शो में प्रदर्शित करने से शुरू करना होगा, ताकि उन देशों में विक्रेताओं की रुचि का पता लगाया जा सके। इस तरह के व्यापार शो के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा करना एक महंगा मामला हो सकता है और जो ऐसी यात्रा करने में असमर्थ हैं वे वाणिज्य मंत्रालय या व्यापार संघों द्वारा प्रकाशित व्यापार रिपोर्ट पर निर्भर रहते हैं। इस दिशा में आगामी प्रक्रिया विदेशी बाजारों में खरीदारों (आयातकों) को ढूंढना और इस प्रक्रिया में बाजार के आकार, प्रतिस्पर्धा, गुणवत्ता की आवश्यकताओं, भुगतान की शर्तों आदि जैसे पहलुओं पर शोध शामिल है। यह समग्र प्रक्रिया छोटे निर्माताओं के लिए सही विदेशी खरीदारों के समूह तक पहुंचने में चुनौतीपूर्ण हो सकती है। लेकिन एक बार जब वे आयातकों की पहचान कर लेते हैं, तो अगला काम 'उत्पाद के नमूने भेजनाऽ और उनकी ओर से अनुकूल प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए मूल्य निर्धारण की जानकारी है। यह एक समय लेने वाली प्रक्रिया हो सकती है जिसमें सफलता की संभावना कम होती है और इससे स्थानीय निर्माताओं के लिए बाधाएं आती हैं। ऐसे में ई-कामर्स निर्यात एमएसएमई को दुनिया भर में मांग पैटर्न, नवीनतम रुझानों और मूल्य निर्धारण की प्राथमिकताओं को समझने के लिए सूचना और बाजार की जानकारी तक पहुंच प्रदान करते हैं। साथ ही उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने और नए उत्पादों के सफल होने की संभावना में मदद करते हैं। यह व्यवसायों को दुनियाभर के ग्राहकों को सामान सीधे बेचने, सीमाओं को पार करने और ग्राहकों का एक बड़ा समूह बनाने में सक्षम बनाता है। यह अंतरराष्ट्री बाजारों में स्थानीय स्तर पर किसी भी मौजूदगी के बिना भारत के बाहर अपने व्यापार को विकसित करने के लिए 'अपनाने में आसान और व्यापकऽ तंत्र प्रदान करता है, जिससे बिचौलियों पर निर्भरता कम हो जाती है और 'विक्रेताऽ को 'ग्राहकऽ के करीब लाया जाता है। यह व्यवसायों को उत्पादन से लेकर ब्रांडिंग और बिक्री तक सभी घटकों का प्रबंधन करने, अपने उत्पादों के लिए बौद्धिक संपदा का कुल स्वामित्व लेने और उच्च लाभ अर्जित करने में सक्षम बनाता है। ये सभी भारत से 'वैश्विक ब्रांडऽ के निर्माण में सहायता करते हैं। इसके अलावा, ई-कामर्स निर्यात भारतीय एमएसएमई और विनिर्माताओं के लिए एक आसान और विस्तृत पैमाने का मार्ग प्रदान करता है। ताकि रोजगार के अवसर पैदा करते हुए देश के लिए उच्च विदेशी मुद्रा लाई जा सके। ई-कामर्स निर्यात को बढ़ावा देने के लिए तत्काल प्राथमिकता वाले क्षेत्र जमीन पर ई-कामर्स निर्यात के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने से शुरू होते हैं, जिसमें एमएसएमई और विनिर्माताओं के लिए निर्यातकों के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने और प्रभावी, लेकिन कम लागत वाले लाजिस्टिक्स समाधानों का निर्माण करने के लिए प्रक्रियाओं का संपूर्ण डिजिटलीकरण शामिल है। यहीं पर आगामी विदेश व्यापार नीति परिवर्तन का एक साधन हो सकती है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर सभी श्रेणियों में 'मेड इन इंडियाऽ उत्पादों की मांग बढ़ रही है। यह लाखों एमएसएमई और निर्माताओं के लिए निर्यात के अवसर का दोहन करने और भारत की आर्थिक विकास कहानी के अगले चरण को शक्ति प्रदान करने का एक अभूतपूर्व अवसर प्रस्तुत करता है।

लोग सच्चाई देखना चाहते हैं और इसी आधार पर 'द कश्मीर फाइल्स' को जबरदस्त सफलता मिल रही है

विवेक रंजन अग्निहोत्री की नई फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' ने दशकों से छाई एक चुप्पी को तोड़? का काम किया है। यह चुप्पी 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के सुनियोजित नरसंहार से जुड़ी है, जिस पर छद्म पंथनिरपेक्ष तबके ने एक प्रकार का आवरण डाला हुआ था। इस्लामिक जिहादियों के हाथों हुए अल्पसंख्यक हिंदुओं के उस वीभत्स नरसंहार ने लाखों की तादाद में लोगों को अपनी जन्मभूमि, कर्मभूमि और पुण्यभूमि छोडे के लिए वि कर दिया था। नरसंहार के समय की कल्पना से ही सिहरन होने लगती है, जब जिहादियों और आतंकियों ने 'रलीव, चलीव, गलीव' का नारा दिया था। उसका मतलब था कि 'या तो मतांतरित हो जाओ या घाटी छोड़ जाओ या फिर मरने के लिए तैयार हो जाओ।' कश्मीर घाटी की मस्जिदों से बार-बार ऐसे एलान हो रहे थे। सड़कों पर जमा इक्षहसक भीड़ की जुबान पर भी यही जुमला चढ़ा हुआ था। हिंदुओं के घरों को आग के हवाले किया जा रहा था। ऐसा लगता है कि फिल्म के बाद अब पीड़ितों के सब्र का बांध टूट गया है। बीते 32 वर्षों से कश्मीरी हिंदुओं ने जिस आक्रोश को अपने भीतर दबाए रखा, उसे अब टीवी चैनलों पर होने वाली चर्चाओं में अभिव्यक्ति मिल रही है। उस यातना भरे दौर में किसी प्रकार जीवित बचे कश्मीरी हिंदू उस समय के खौफनाक घटनाक्रम की स्मृतियां साझा कर रहे हैं। इस क्रम में उन्हें जम्मू से लेकर दिल्ली तक तंबुओं में रहकर गुजारा करना पड़ा। उस दौर की असंवेदनशील सरकारों को उनसे कोई सरोकार नहीं था। 'द कश्मीर फाइल्स' वास्तव में ऐसे ही भुक्तभोगियों के उन अनुभवों पर बनी फिल्म है, जो अपनी कहानी सुनाने के लिए जीवित रह गए। कश्मीर घाटी में हिंदुओं पर हमलों की शुरुआत पिछली सदी के नौवें

दशक के मध्य से हुई थी। उस समय राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे। खून के प्यासे इस्लामिक आतंकी जब श्रीनगर की सड़कों पर हिंसा का नंगा नाच कर हिंदुओं की हत्याओं पर आमादा थे, तब राज्य में सेक्युलर लाबी के पसंदीदा फारूक अब्दुल्ला राज्य के मुख्यमंत्री थे। जिहादियों के समर्थक विभिन्न कारणों से द कश्मीर फाइल्स के खिलाफ मुहिम चला रहे हैं। उनमें से कुछ की दलील है कि यह फिल्म पुराने जख्मों को कुरेदने के साथ ही सांप्रदायिक तनाव को बढ़ाएगी। कुछ कह रहे कि घाटी से समूचे हिंदू समुदाय को बेदखल करने की साजिश का कश्मीरी मुसलमान हिस्सा ही नहीं थे। ऐसे में फिल्म में कुछ 'संतुलन' दिखाया जा सकता था। वहीं कुछ इस पर सवाल उठा रहे हैं कि इस समय आखिर यह फिल्म क्यों बनाई गइ ऐसी सभी दलीलों की बिंदुवार हवा निकालना बहुत आवश्यक है। जहां तक पुराने जख्म हरे होने की बात है तो यह बिल्कुल गलत है, क्योंकि वे जख्म तो कभी भरे ही नहीं। न ही दुनिया के किसी कोने में कश्मीरी पंडितों पर हुए आघात-अत्याचार की सुध ली और न ही उनकी सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित कराई गई। इसलिए घाव पुराने नहीं हुए हैं। वे अभी भी मानवता से मरहम लगाए जाने की बाट जोह रहे हैं। इसी प्रकार फिल्म से सांप्रदायिक तानाबाना बिगड़? की बात भी फर्जी लगती है। यह उन लाखों लोगों की व्यथा सुनाने से पीछे हटने का कारण नहीं हो सकती, जिन्हें अपनी जमीन से जबरन निर्वासित होना पड़ा। अपने ही देश में वे शरणार्थी बनकर रह गए। हमारे देश ने 1984 में भी सिखों का भीषण नरसंहार देखा, जिस पर आज तक चर्चा होती है। सच्चाई से दूर भागकर कोई भी देश प्रतिष्ठा नहीं प्राप्त कर सकता। सच्चाई का सीधा सामना किया जाना चाहिए। फिल्म के विरोधियों की यह दलील भी बेदम है कि हिंदुओं के खिलाफ साजिश में कश्मीरी मुस्लिमों की कोई भूमिका नहीं रही। यह निरा झूठ है। उस दौर में इक्षहदुओं को आतंकित करने वाली मुस्लिम भीड़ खुलेआम रलीव, सलीव या गलीव का नारा लगा रही थी। वहीं जो लोग फिल्म के कथानक में संतुलन की दुहाई दे रहे हैं, क्या उन्होंने स्टीवन स्पीलबर्ग की कालजयी फिल्म 'शिंडलर्स लिस्ट' देखी है, जिसमें यहूदियों का वीभत्स नरसंहार दिखाया है। उस फिल्म को देखने वाले किसी भी विवेकशील व्यक्ति ने कभी यह नहीं कहा होगा कि उसमें नाजियों के पक्ष को भी संतुलन के साथ दिखाया जाता। वहीं जो लोग यह कह रहे हैं कि आखिर इस समय ही यह फिल्म क्यों बनाई गई तो उनसे पलटकर सवाल किया जा सकता है कि इससे पहले यह दास्तान क्यों नहीं सुनाई गई? आखिर हमें कश्मीर घाटी में नस्लीय सफाये की सच्चाई दिखाने में इतने साल क्यों लग गए? शिंडलर्स लिस्ट द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के कई दशकों बाद 1993 में रिलीज हुई थी, लेकिन तब किसी ने यह सवाल नहीं किया कि अब यह फिल्म क्यों बनाई गई है? कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली उस फिल्म को लिबर्टी आफ कांग्रेस ने 'सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और कलात्मकता की दृष्टि से उल्लेखनीय' करार दिया। कश्मीरी हिंदुओं के प्रति हुए इस अत्याचार पर पर्दा डालने का एक बड़ा दोषी वह छद्म पंथनिरपेक्ष तबका है, जो स्वतंत्रता के बाद से ही सच्चाई विशेषकर हिंदुओं से जुड़े मुद्दों को दफन करता आया है। इस तबके की पैठ राजनीति, अकादमिक और मीडिया से लेकर नौकरशाही तक है। संख्या में यह भले ही छोटा हो, लेकिन विमर्श गढ़े में इसकी अहम भूमिका रही है। 'द कश्मीर फाइल्स' में जिस क्रूरता को दिखाया गया है, वह इस तबके के एजेंडे में फिट नहीं बैठती। इक्षहदुओं के खिलाफ इस सुनियोजित अभियान में हिंदू नाम वाले लोग ही सबसे आगे भी रहे। इस सबकी शुरुआत नेहरू के दौर से ही हो गई थी। तब नेहरूवादी और कम्युनिस्ट संगी-साथी बन गए थे और उन्होंने हिंदुओं को संदेह की दृष्टि से देखने के साथ अल्पसंख्यक तुष्टीकरण की राह पर चलना शुरू कर दिया। समय के साथ हिंदुओं पर हमला एक आम चलन बन गया और जो इसमें शामिल नहीं होता, उसे 'लुटियन' की अभिजात्य मंडली से बाहर कर दिया जाता। 'द कश्मीर फाइल्स' की रिलीज के साथ यही कहा जा सकता है कि उस साजिश का बांध टूट गया है। लोग सच्चाई देखना चाहते हैं और इसी आधार पर फिल्म को जबरदस्त सफलता भी मिल रही है। अंत में क्या हम यह प्रशन कर सकते हैं कि यदि देश के एकमात्र मुस्लिम बहुसंख्यक राज्य में उस समय हिंदुओं की यह दुर्दशा थी तो देश में सेक्युलरिज्म कितना सुरक्षित है।

नीति निर्माताओं को करना होगा ऐसा उपाय ताकि सुगम बने आर्थिक सुधारों की राह

यह सही है कि स्वाधीनता के बाद से निरंतर देश का आर्थिक विकास हुआ है। यह अलग बात है कि इसकी गति अपेक्षाकृत कम रही है। वैसे पिछली सदी के अंतिम दशक में अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर परिवर्तनकारी सुधार का व्यापक प्रयास किया गया था, जिसके बेहतर नतीजे भी सामने आए। बाद के सुधारों ने अनुकूल परिस्थितियों का फायदा उठाया और वे सभी समान रूप से प्रभावशाली थे। हालांकि इसने देश के एक बड़े हिस्से को उपभोक्ता वर्ग में ला खड़ा किया और अधिकांश को गरीबी के जाल से बाहर निकाल दिया। लेकिन किसी क्षेत्र और सुधारों के क्रम पर प्रकाश डाला गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आर्थिक विकास पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि आज टेलीकाम का मतलब एक काल से कहीं अधिक है। सूचना प्रौद्योगिकी अब पिछली शताब्दी की तरह केवल कोडिंग नहीं कर रही है। ऊर्जा क्षेत्र में सुधारों का अर्थ होगा जीवाश्म ईंधन से आगे जाना तथा सौर, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य हरित ऊर्जा को शामिल करना। शिक्षा और श्रम सुधारों में पहले से कहीं अधिक गतिशीलता है। बीमा क्षेत्र में सुधार स्वास्थ्य प्रत्यक्ष प्रभावों पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। प्रशासनिक और न्यायिक सुधारों के बिना आर्थिक सुधार प्रक्रिया एक ऐसे तिपहिया वाहन के समान है, जिसमें तीसरा पहिया डगमगा रहा है। सुधार प्रक्रिया का रणनीतिक भी होना चाहिए। नीति निर्माता हमेशा विभिनन्न उद्योगों, बाजारों और भौगोलिक क्षेत्रों में व्याप्त विविधता की गहन सीमा की उपेक्षा करते हैं। आर्थिक समृद्धि के लिए संवाद सवीपरि है, विशेष रूप से एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी संघीय ढांचे के भीतर जहां राजनीतिक रूप से स्थिरता कम हो और विचारों में विविधता हो। इसका एक बड़ा यह कहा जा सकता है कि हमारे नीति निर्माता कारणों के संबंध को समझते तो हैं, लेकिन तमाम बाधाओं के कारण वे अपेक्षित रूप से आगे नहीं बढ़ पाते हैं। वे बड़े पैमाने पर संबंधों और सहसंबंधों की उपेक्षा करते हैं। ऐसे में सुधार प्रक्रिया के लिए मैक्रो-टू-माइक्रो की परस्पर निर्भरता की गहरी समझ की आवश्यकता होती है। नीति निर्माता उपकरणों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि क्रियान्वयन पर बहुत कम और प्रारूप के निर्माण में बहुत कम या बिल्कुल भी नहीं। दोषपूर्ण प्रारूप, कमजोर संकल्प क्रियान्वयन को कमजोर करता है, जिससे अपेक्षित परिणाम पूंजी और श्रम को तराशता है। ऐसे में उन्हें सहयोग प्रदान करना चाहिए, प्रतिस्पर्धा नहीं। इसके अलावा अप्रत्यक्ष लागत भी है। आज हम जिस प्रकार की शिक्षा व्यवस्था के दौर में हैं, उससे अक्सर कौशल शिक्षा से अलग हो जाता है। हमारी वर्तमान शिक्षा पद्धति कुछ इस तरह की है कि वह समस्याओं को हल करने के लिए छात्रों को तैयार नहीं करती है। जबकि वैश्विक ज्ञान का केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा शैक्षिक सुधारों पर ही टिकी है। देश की रकम देश में ही रहे : यदि हम चिकित्सा के क्षेत्र में ही देखें तो प्रतिभाएं तेजी से पलायन कर रही हैं। प्रत्येक भारतीय स्तरीय संबंधित संस्थानों को खड़ा कर सकते हैं। इसके लिए हमारे पास पूरी क्षमता भी है। कौशल, भूमि और श्रम सुधारों के बिना भारत दुनिया की उद्योगशाला नहीं बन सकता। जबकि उत्पादकता से जुड़ी प्रोत्साहन (पीआइएल) योजना विनिर्माण ढांचे के अधिकांश संचालकों की व्याख्या करती है, यह अन्य सक्षम संचालकों की अनुपस्थिति में वृद्धिशील विकास को गति प्रदान नहीं कर सकती है। संघीय राजनीति एक दूसरी बड़ी समस्या है। अधिकांश आर्थिक सुधार राज्यों में लागू किए गए हैं और उनका श्रेय लेने के लिए राजनीतिक दलों में अक्सर होड़ लगी रहती है। हमारे देश में सुधारों को अलग-अलग प्रशासनिक स्थितियों में तैयार किया गया है। हालांकि अधिकांश हस्तक्षेपों के व्यापक निहितार्थ होते हैं, कई आंतरिक को प्रभावित करते हैं और कई बाहरी हितधारकों को प्रभावित करते हैं। इतना सबकुछ होने के बावजूद देश में 'सक्षमऽ संस्थाओं का अभाव है। हालांकि कई संस्थान 'प्रभावशालीऽ अवश्य हैं, लेकिन उनमें विश्वसनीयता और क्षमता दोनों का अभाव है। अधिकांश अतीत में रहते हैं और बाकी एकांत में। इस प्रकार बहुत सोच-समझ कर बनाई गई नीतियों को भी प्रभावी नहीं होने देते या निचले स्तर तक लोग उनके फायदों से वंचित रह जाते हैं। इस मामले में एक बड़ी विडंबना यह है कि अधिकांश नीति निर्माता सुधार प्रक्रिया में राजनीतिक और अन्य संस्थानों की भूमिका की सराहना नहीं करते हैं। हमारे देश में आर्थिक सुधारों की राह सुगम नहीं होने के ये सब भी कारण हैं जिन्हें समझना होगा और इन्हें दूर करने के व्यावहारिक उपाय तलाशते हुए उन्हें समग्रता में क्रियान्वित करना होगा। ऐसा होने पर ही हम देश की आर्थिक विकास की गति को तेजी से आगे बढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं।

विशेष को उदार बनाने का अर्थ संबंधित नीतियों के क्रियान्वयन में सुधार करना और व्यवसाय संचालन के कारकों को तैयार करना भी है। कई बार अलग-अलग आर्थिक कारक आगे बढ़ते हैं और बहुत ही विविध परिणामों के साथ असमान गति को भी दर्शाते हैं। एक संबंधित हालिया अध्ययन में समय के महत्व के आसपास और श्रम, कौशल एवं भूमि में सुधार निर्माण के आसपास केंद्रित है। ऐसे में नीति निर्माताओं को विशेष रूप से सामाजिक सुधारों के लिए उससे होने वाले अपेक्षित प्रभावों की समीक्षा करने की आवश्यकता है। यह सही है कि अप्रत्यक्ष लेकिन महत्वपूर्ण प्रभावों पर हमेशा अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है और उदाहरण बीते दिनों उस समय सामने आया जब बीते वर्षों केंद्र सरकार द्वारा अच्छे उद्देश्य से बनाए गए परिवर्तनकारी कृषि सुधार कानूनों को वेग्वल इसलिए निरस्त करना पड़ा, क्योंकि वर्तमान केंद्र सरकार इसे उन लोगों के साथ साझा करने में विफल रही, जिनका निर्माण उन्हें ही लाभान्वित करने के लिए किया गया था। इसलिए हासिल नहीं किए जा सकते। इतना ही नहीं, अस्त-व्यस्त, शिथिल और बिखरे हुए सुधार से सुधारकों की विश्वसनीयता प्रभावित होती हैं। असंगठित क्षेत्र पर ध्यान दिए बिना आर्थिक सुधार की प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। जबकि हमारे देश में यह बेहद उपेक्षित है। यह विकास में प्रमुख योगदानकर्ताओं यानी के लिए उपलब्ध भारतीय डाक्टरों की तुलना में प्रत्येक अमेरिकी के लिए उपलब्ध भारतीय डाक्टरों की संख्या अधिक है। आंकड़े बताते हैं कि भारतीय छात्र विदेशी डिग्री के लिए हर साल लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये का 'निवेशऽ करते हैं। इतनी बड़ी रकम का निवेश यदि हमारे देश के भीतर हो तो हम बड़ी संख्या में विश्व

कोविड टीकाकारण से किस प्रकार सामान्य जीवन की ओर अग्रसर समाज

आजकल अधिकांश लोगों के दिमाग में एक बड़ा सवाल यह भी घूम रहा है कि क्या हम कोविड महामारी से उबर चुके हैं? चूंकि कोविड पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, ऐसे में बेहतर यही है कि हम इस सवाल का जवाब तलाशें कि 'क्या हम एक गंभीर बीमारी या मौत के जोखिम को तय सीमा के भीतर रखते हुए सामान्य जीवन जी सकते हैं।ऽ इसका जवाब है- हां, हम टीकों की मदद से ऐसा कर सकते हैं। किसी भी संक्रमण की गंभीरता को होस्ट इम्युनिटी (प्रतिरक्षा) के नजरिये से बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। चिकनपाक्स और खसरा का खतरा अब हमें नहीं डराता है, लेकिन इसी बीमारी ने यूरोपीय उपनिवेश काल के दौरान अमेरिकी मूल निवासियों पर कहर ढाया था। पहले कभी इस बीमारी से लोगों को सामना नहीं करना पड़ा था और संक्रमण के प्रति इम्युनिटी की कमी थी। यही सबसे बड़ी वजह थी जिसने यूरोपीय लोगों की तुलना में मूल निवासियों में संक्रमण को अधिक गंभीर बना दिया इसी तरह जब कोविड का आरंभ हुआ तो हमारे शरीर में श्वसनतंत्र पर धावा बोलने वाले तेजी से फैलते हुए इस वायरस सार्स-कोव-2 के प्रति बहुत ही कम प्रतिरोधक क्षमता थी। फिर भी, संक्रमण के कुछ मामलों में बीमारी गंभीर स्थिति में पहुंची और मौत का कारण बन गई। कोविड संक्रमण ने लोगों पर गहरा मनोवैज्ञानिक असर डाला है, जिसमें तमाम लोग गंभीर रूप से बीमार पड़े और उन्हें उचित स्वास्थ्य देखभाल में मुश्किलें झेलनी पड़ीं। इसी कारण कम अवधि के भीतर कई अप्रत्याशित मौतें हुईं। यही घटनाएं लोगों के दिमाग में बसी हुई है और वह अक्सर सवाल उठाते हैं 'क्या कोविड खत्म हो गया है बात संक्रमण की हो तो टीकाकरण को बीमारियों से बचाव के लिए प्रतिरोधी क्षमता बढ़ाने का पसंदीदा तरीका माना जाता है, क्योंकि संक्रमण अपने साथ ऊपर बताए गए कई तरह के जोखिम को साथ लाता है। टीकाकरण के बाद उसके प्रतिकूल प्रभावों को लेकर बहस करना तात्कालिक और दीर्घकालिक जोखिमों को लेकर गहरी समझ के अभाव को दर्शाता है। टीकाकरण के बाद थोड़े समय के लिए सामने आईं प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं जैसे थ्रोम्बोसिस या मायोकार्डिटिस या फिर मौत हो जाना आदि का खतरा टीकों की तुलना में संक्रमण के साथ सौ गुना अधिक होने की आशंका है। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि टीकाकरण तो नहीं, लेकिन संक्रमण जरूर दूसरों को जोखिम में डालता है। आज स्थितियां एकदम बदल चुकी हैं। इम्युनिटी काफी ज्यादा बढ़ चुकी है। वजह कुछ हद तक व्यापक डेल्टा सर्ज और फिर कुछ दुनियाभर में बड़े पैमाने पर चलने वाला कार्यक्रम। इसके साथ ही स्वास्थ्य देखभाल क्षमता में भी काफी हद तक सुधार हुआ है। में गंभीर बीमारी और मौत का कारण बना, जो अमेरिका, हांगकांग और अन्य जगहों पर स्पष्ट तौर पर नजर आया।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीरी पंडितों के हत्यारे बिट्टा कराटे की फिर खुलेगी जुर्म की फाइल, 31 साल बाद कोर्ट में याचिका दायर

जम्मू। जेकेएलएफ के आतंकी कमांडर बिट्टा कराटे द्वारा 1990 में किए गए खून खराबे की सच्चाई लोगों के सामने लाई जाएगी। आखिरकार 31 साल बाद एक बार फिर सेशन कोर्ट में कराटे के जुर्म की फाइल खोलने के लिए याचिका दायर की गई है। अदालत ने इस याचिका को मंजूर भी कर लिया है। यह याचिका बिट्टा कराटे द्वारा मौत के घाट उतारे गए सतीश टिक्कू के परिजनों ने एडवोकेट उत्सव बैंस के माध्यम से दायर की है। इसमें अदालत से बिट्टा कराटे के खिलाफ हत्या का मुकद्दमा चलाए जाने का आग्रह किया गया है। मामले की अगली सुनवाई 16 अप्रैल को होगी। कश्मीरी पंडित सतीश टिक्कू की हत्या के मामले में जेकेएलएफ के पूर्व आतंकवादी बिट्टा कराटे के खिलाफ अभी तक गई जांच की प्रगति पर रिपोर्ट मांगने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए शहर की एक अदालत सहमत हो गई है। फारूक अहमद डार उर्फ बिट्टा कराटे ने 2 फरवरी 1990 को श्रीनगर के हब्बा कदल इलाके के करफल्ली इलाके में कारोबारी सतीश टिक्कू की उनके आवास के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी थी। पारिवारिक सूत्रों का कहना है कि बिट्टा कराटे सतीश टिक्कू का दोस्त था परंतु पाक प्रायोजित आतंकवादियों के कहने पर उसने उसे भी मार दिया। हालांकि इसमें कोई चौकाने वाली बात नहीं है क्योंकि एक चैनल पर इंटरव्यू देते हुए बिट्टा कराटे ने स्वयं यह बात कही थी कि उसने 1990 के दौरान सतीश टिक्कू समेत 20 से अधिक कश्मीरी पंडितों को मारा। उस समय अगर पाकिस्तान में बैठे उसके आका उसकी अपनी मां या भाई को मारने के लिए भी कहते, तो वह वेसा ही करता।

बैंकर्स जिले के हितग्राहीमूलक योजनाओं को ऋण स्वीकृत करें- कलेक्टर डीएलसीसी की बैठक में एक जिला एक उत्पाद को बढ़ावा देने का निर्णय

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। शहडोल 30 मार्च 2022- कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिले के

सभी बैंकर्स की बैठक लेकर निर्देशित किया कि एक जिला एक उत्पाद के तहत प्राप्त स्वीकृत प्रकरणों को प्राथमिकता के तौर पर ऋण मुहैया कराएं जिससे उक्त योजना को प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप मूर्त रूप दिया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी बैंकर्स यह सुनिश्चित करे कि विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के स्वीकृत ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर ऋण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें और बैकवार लक्ष्य की शत- प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करें। बैठक में बताया गया कि केशवाही के इलाहाबाद बैंक द्वारा 700 स्व सहायता समूहों के ऋण प्रकरणों को स्वीकृत करने में विलंब किया जा रहा है जिससे हजारों लोग वंचित है। इस पर कलेक्टर ने लीड बैंक प्रबंधक एवं इलाहाबाद बैंक के जिला प्रबंधक को निर्देशित किया कि संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर शीघ्र प्रकरणों को ऋण स्वीकृत कराए जाए। इसी तरह बड़ौदा बैंक द्वारा भी ऋण स्वीकृत में विलंब किया जा रहा है। पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि पशु पालको की केसीसी बैंको द्वारा नगण्य है जिस पर कलेक्टर ने बैंकवार कैंप लगाकर प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में स्टीट वेंडर योजना सहित अन्य योजनावार प्रकरणों की समीक्षा की गई और बैंको को निर्देशित किया गया कि अगले वित्तीय वर्ष में माह अप्रैल से ही लक्ष्य पूर्ति की ओर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में लीड बैंक प्रबंधक श्री केएल माझी, सहायक संचालक मत्स्य श्री शिवेन्द्र सिंह, उप संचालक पशु पालन डॉ. व्हीव्हीएस चौहान, प्रबंधक आजीविका मिशन श्री विष्णूकांत विश्वकर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं बैंको के प्रबंधक उपस्थित थें।

एलआईसी की रकम दिलाने के नाम पर महिला से ठगी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । साइबर अपराधी ने एलआईसी की रकम दिलाने के नाम पर महिला से 80 हजार रुपये ठग लिए। महिला ने सेक्टर-24 थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सेक्टर-52 निवासी 65 वर्षीय शारदा धवन के पास कुछ दिन पहले अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को एलआईसी का कर्मचारी बताया और उन्हें दो लाख रुपये दिलाने का लालच दिया। उसने महिला को झांसे में लेकर एलआईसी की रकम दिलाने की एवज में 20 हजार रुपये अपने खाते में जमा करा लिए। कुछ दिन बाद उसने फिर से महिला को फोन किया और 60 हजार रुपये और जमा करा लिए। आरोपी और रुपये की मांग करने लगे तो महिला को शक हुआ। इसके बाद आरोपी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मे पक्षकारो के मामले मे हुआ निपटारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में संचालित सुलह व मध्यस्थता केन्द्र में पक्षकारों के मध्य सुलहवार्ता से एक वर्ष पुराना वाद का निस्तारित किया गया। जिला

विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर में संचालित परामर्श एवं सुलह समझौता केन्द्र में मीडियेशन वाद संख्या 340/2021 पूनम बनाम मनप्रीत सिंह के पक्षकारों के मध्य प्राधिकरण में कार्यरत मध्यस्थ अधिवक्ता श्री चरन सिंह भाटी तथा श्री जयहिंद कुमार सिंह, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर के प्रयास से पक्षकारों के मध्य प्रार्थना पत्र 156(3) द0प्र0सं0 में सबंधित न्यायालय द्वारा अंतिम आदेश पारित किये जाने के पूर्व ही करीब 06 लाख रुपये से संबंधित विवाद को अन्तिम रुप से समझौता के माध्यम से निस्तारित करा दिया गया। उपर्युक्त मीडियेशन वाद में आवेदिका की तरफ से उपस्थित पूनम पतनै मनोज व उनके अधिवक्ता श्री पवन कसाना तथा विपक्षी मनप्रीत सिंह चडढा व छः अन्य की तरफ से उपस्थित अधीकृत प्रतिनिधि श्री अतुल कुमार गहलोत ए0जी0एम0 के मध्य आपसी वार्ता से उपर्युक्त मामला समझौता से निस्तारित हुआ। उपर्युक्त मामले के दोंनो पक्षकार अत्यन्त ही प्रसन्न होकर कहा कि उनके मध्य बहुत ही सहज वार्ता से प्राधिकरण के प्रयास से मामले का निस्तारण हो गया। समस्त पक्षकार सुलह होने से अत्यंत प्रसननचित्त होकर अपने घर गए।उपर्युक्त जानकारी श्री जयहिंद कुमार सिंह, सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्ध नगर द्वारा दी गयी।

जीतनराम मांझी ने खोले मुकेश सहनी से बातचीत के राज बताई राजद से डील की बात

पटना । बिहार मंत्रिमंडल से विकासशील इंसान पार्टी (वीआइपी) प्रमुख मुकेश सहनी बर्खास्त हो चुके हैं। सहनी पशुपालन एवं

मत्स्यजीवी मंत्री थे। वीआइपी के संस्थापक मुकेश सहनी की मंत्री पद से विदाई पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि अगर वह (मुकेश सहनी) चुप लगा देते तो संभव है, यह नौबत नहीं आती। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए मांझी ने कहा कि मुकेश सहनी मित्र की तरह थे। मुलाकात होती रहती थी, लेकिन जितनी सारी बात वह बोलते थे, उसका कोई आधार नहीं था। पहले 165 सीट पर यूपी में लड़ गए। फिर लोगों से कहा कि हम किसी के सहारे नहीं है। राजद से बात चल रही है कि आधा-आधा टाइम मुख्यमंत्री हो। इस तरह की बातें राजनीति में नहीं होनी चाहिए। जीतनराम मांझी ने कहा कि सहनी ने गठबंधन धर्म को तोड़ने का काम किया। हम भी कहते हैं कि बोचहां में उनके आदमी को टिकट मिलना चाहिए था। यह परंपरा है कि जिस दल की सीट खाली होती है, उसी दल को टिकट मिलता है। हो सकता है, भाजपा को उत्तर प्रदेश का खीझ हो, जिस कारण बोचहां से टिकट नहीं दिया। अगर भाजपा ने ऐसा कोई कदम उठाया तो सहनी को चुप लगा देना चाहिए था। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष जीतनराम मांझी ने कहा कि राजनीति में आगे बहुत मौका मिलता है। कल एमएलसी का मामला है, परसों राज्यसभा का मामला होगा। सहनी तो गलती कर ही गए, लेकिन एनडीए के साथी के नाते भाजपा को भी इतना हार्ड एक्शन नहीं लेना चाहिए था। मांझी ने कहा कि मुकेश सहनी गठबंधन में भाजपा कोटे से मंत्री थे जब भाजपा ने ही उन्हें हटा दिया तो नीतीश कुमारजी के पास कोई चारा नहीं था। यह गैर-संवैधानिक नहीं है, उचित था।

पंजाब के वित्तमंत्री का बड़ा कदम, किसी कर्मचारी की खजाना दफ्तरों में एक सीट पर एक साल से ज्यादा तैनाती नहीं

चंडीगढ़। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने एक और बड़ा फैसला किया है। अब राज्य के खजाना कार्यालयों में किसी कर्मचारी की एक पद पर एक साल से ज्यादा तक तैनाती नहीं रहेगी।इससे पूर्व कर्मचारियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब खजाना दफ्तरों में पूर्व कर्मचारियों को अपने बिल क्लीयर करवाने में परेशानी नहीं होगी। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने इसे लेकर दिशा निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि पूर्व कर्मचारियों के बिल पर अगर कोई ऑब्जेक्शन है तो वह एक ही बार में लगाए जाए। हर बार न ऑब्जेक्शन के नाम पर फाइल वापस नहीं भेजी जाएगी। इसके साथ साथ ऑब्जेक्शन क्यों लगाया गया है इसको लेकर नियम का हवाला भी देना होगा। ऑब्जेक्शन लगाए बिलों की हार्ड कापियां बिना किसी देरी के संबंधित डीडीओ को वापस भेजनी होगी। वहीं खजाना दफ्तरों में कोई भी कर्मचारी एक सीट पर एक साल से ज्यादा तैनात नहीं होगा। एक साल बाद उसे बदला जाएगा। हर महीने की 10 तारीख को खजाना दफ्तरों की ओर से रिपोर्ट तैयार कर मुख्य दफ्तर को भेजनी होगी। इसमें यह जानकारी देनी होगी कि पूर्व कर्मचारियों के कितने केसों का निपटारा हुआ। दफ्तरों में काम करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ क्या क्या शिकायतें आई। शिकायतों पर क्या कार्यवाही की गई। हर माह खजाना दफ्तरों के अधिकारी अपने स्तर पर भी अपने स्टॉफ से मीटिंग कर चर्चा करेंगे कि उन्हें काम करने में क्या क्या दिक्कतें आ रही है ताकि उन्हें दूर किया जा सके।वित्त मंत्री चीमा की ओर से कहा गया है कि बिल संबंधी चेक लिस्ट यानी किस बिल के साथ कौन कौन से दस्तावेज अनिवार्य है इस की जानकारी नोटिस बोर्डों पर होनी चाहिए। ताकि कर्मचारियों को परेशानी न हो। वित्त विभाग की ओर से जारी नई गाइडलाइन की जानकारी भी नोटिस बोर्ड पर लगाई जानी है। वित्त मंत्री ने निर्देशों में कहा है कि कर्मचारी समय पर कार्यालय आए।

लंबे समय के लिए टल सकता है दिल्ली नगर निगम चुनाव 2022 मिलने लगे संकेत

नई दिल्ली। दिल्ली तीनों नगर निगमों (उत्तरी, पूर्वी और दिल्ली नगर निगम) को एक करने के लिए संसद में विधेयक पेश किए जाने के बाद माना जा रहा है कि निगम चुनाव अब लंबे समय के लिए टल सकता है। ऐसे में दिल्ली के राज्य चुनाव आयोग ने भी निगम चुनाव को लेकर की जा रही तैयारियों को फिलहाल रोक दिया है। इसी क्रम में निर्वाचन कार्यालयों में चुनाव ड्यूटी के लिए

विभिन्न विभागों से बुलाए गए सभी कर्मचारियों को वापस अपने विभाग में भेज दिया गया है। इस बाबत राज्य चुनाव आयोग ने मंगलवार को सभी निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों को आदेश जारी कर दिया है। आदेश में कहा गया है कि निगम चुनाव में अभी समय लगने की उम्मीद है। ऐसे में निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालयों में निगम चुनाव के लिए लगाए गए कर्मचारियों को वापस उनके विभाग में काम करने के लिए भेज दिया जाए। आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों को अभी निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से स्थायी तौर पर कार्य मुक्त नहीं किया गया है। जब तक चुनाव की घोषणा नहीं होती तब तक कर्मचारी अपने विभाग में काम करेंगे। बता दें कि राज्य चुनाव आयोग ने तीनों नगर निगमों के चुनाव के लिए पूरी तैयारी कर ली थी। 272 वार्डों के लिए 72 निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किए गए थे। इन निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों में चुनाव से संबंधित कार्य के लिए विभिन्न विभागों से करीब ढ़ाई हजार कर्मचारी बुलाए गए थे। नौ मार्च को चुनाव की घोषणा होने वाली थी। उसी दिन उपराज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार का संदेश मिलने पर चुनाव की घोषणा टाल दी गई थी। तब आयोग ने कहा था कि वर्तमान तीनों नगर निगमों का कार्यकाल 18 मई तक है। इसलिए उससे पहले चुनाव होना जरूरी है। इसके लिए 18 अप्रैल तक चुनाव की तारीखों की घोषणा होना जरूरी है, लेकिन निगमों के एक होने की प्रक्रिया शुरू होने के बाद अब चुनाव लंबे समय तक टलने की आशंका जताई जाने लगी है।

CBI के स्पेशल जज ने कार्ति को दी विदेश जाने की अनुमति, एयरसेल मैक्सिस डील मामले के हैं आरोपित

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने एयरसेल-मैक्सिस डील मामले पर सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज केस के आरोपित कार्ति चिदंबरम की विदेश जाने की अनुमति दे दी है। सीबीआइ के स्पेशल जज एमके नागपाल ने ये आदेश जारी किए।सोमवार 28 मार्च को कार्ति

की विदेश जाने की अनुमति देने की मांग पर कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कार्ति चिदंबरम की ओर से वकील अक्षत गुप्ता ने कहा कि कार्ति को एक अप्रैल से विदेश यात्रा पर जाना है। सीबीआइ और ईडी के जवाब के बाद कोर्ट ने उन्हें विदेश यात्रा की अनुमति दे दी है। इससे पहले 23 मार्च को कोर्ट ने पी. चिदंबरम और कार्ति चिदंबरम को एक-एक लाख रुपये के मुचलके पर नियमित जमानत दी थी। दोनों इस मामले में अग्रिम जमानत पर चल रहे थे। ईडी की ओर से दाखिल केस में पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम और उनके पुत्र कार्ति चिदंबरम आरोपित हैं। वहीं, सीबीआई की ओर से दाखिल केस में पी. चिदंबरम और कार्ति चिदंबरम के अलावा अशोक कुमार झा, कुमार संजय कृष्णा, दीपक कुमार सिंह, रामशरण, ए. पलनिअप्पन, मेसर्स ऐस्ट्रो आल एशिया नेटव?र्क्स पीएलसी, मेसर्स मैक्सिस मोबाइल एसडीएन बीएचडी, मेसर्स भूमि अरमादा बेरहाद, भूमि अरमादा नेविगेशन एसडीएन बीएचडी, टी. आनंद कृष्णन, अगस्तस राल्फ मार्शल, मेसर्स एडवांटेज स्ट्रेटैजिक कंसल्टिंग प्रा. लि., एस. भास्करन और वी. श्रीनिवासन आरोपित हैं।

बिहार में शराबबंदी संशोधन पास मजिस्ट्रेट ने चाहा तो तुरंत छूटेंगे; वर्ना शराब पीने वाले अब भी जाएंगे जेल

पटना। बिहार में शराबबंदी कानून में संशोधन का बहु प्रतीक्षित विधेयक बुधवार को विधानमंडल के दोनों सदनों से पारित हो गया। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद यह कानून का रूप लेगा और तुरंत प्रभावी हो जाएगा। पुराने कानून में सबसे बड़ा बदलाव यह किया गया है कि शराब पीते पकड़े जाने पर जेल भेजने के बदले जुर्माना

देकर छोड़ा जा सकता है। उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री सुनील कुमार ने सदन में बिहार मद्य निषेध और उत्पाद संशोधन विधेयक-2022 पेश करते हुए कहा कि इससे अदालतों में मुकदमों की संख्या कम होगी और शराब के बड़े कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। 2016 के मूल कानून में बदलाव के बाद अब शराब पीते हुए पकड़े जाने पर जुर्माना देकर छोड़ा का प्रविधान किया गया है। अगर कोई शराब या मादक द्रव्य के प्रभाव में पाया जाता है, तो उसे तुरंत गिरफ्तार कर नजदीकी कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। व्यवस्था यह रहेगी कि अवकाश या अधिकारी के स्थानांतरण की स्थिति में भी विशेष न्यायालय कार्यरत रहे। राज्य सरकार की ओर से तय जुर्माना की रकम जमा करने पर अभियुक्त को छोड़ दिया जाएगा। तत्काल जुर्माने की रकम जमा न करने की हालत में एक महीने की साधारण कैद का प्रविधान किया गया है। संशोधन में साफ कहा गया है कि यह जरूरी नहीं है कि शराब या मादक द्रव्यों के सेवन के हरेक मामले में अभियुक्त को तुरंत जमानत मिल ही जाएगी। जुर्माने की रकम अदा कर छूट जाना किसी अभियुक्त का अधिकार नहीं होगा। अंतिम निणर्य कार्यपालक मजिस्ट्रेट करेंगे। कार्यपालक मजिस्ट्रेट को यह अधिकार होगा कि वह लिखित में कारणों का उल्लेख करते हुए अभियुक्त को राशि का भुगतान करने पर भी छोडे से इन्कार कर दे। बार-बार अपराध करने पर सजा और जुर्माना-दोनों का प्रविधान कायम रहेगा। इसी तरह जब्त पशु, वाहन, बर्तन या परिसर को भी जुर्माना राशि देकर छुड़ाया जा सकता है। जुर्माना न भरने पर इसकी जब्ती की कार्रवाई की जा सकेगी। मंत्री ने बताया कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए राज्य में 74 विशेष न्यायालयों का गठन किया है। राज्य सरकार पटना उच्च न्यायालय की सलाह से कार्यपालक मजिस्ट्रटों की तैनाती करेगी। ये द्वितीय श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की शक्तियों का प्रयोग करेंगे। इन मामलों की जांच सहायक अवर निरीक्षक से नीचे के पुलिस या नहीं करेंगे। शराब पीते हुए पकड़े जाने पर सुनवाई की धारा-37 को छोड़कर अन्य सभी मामलों की सुनवाई विशेष न्यायालय द्वारा की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता सत्र न्यायाधीश, अपर सत्र न्यायाधीश, सहायक सत्र न्यायाधीश या न्यायिक मजिस्ट्रेट कर सकेंगे। हर जिले में कम से कम एक विशेष न्यायालय होगा। राज्य सरकार हाई कोर्ट के परामर्श से अपर सत्र न्यायाधीश रह चुके सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को विशेष न्यायालयों में पीठासीन होने के लिए नियुक्त कर सकेगी। शराब की थोक बरामदगी किसी ऐसे अस्थायी परिसर से होती है, जिसे सीलबंद नहीं किया जा सकता है तो कलक्टर के आदेश से ऐसे परिसर को ध्वस्त किया जा सकता है। कलक्टर को इस कानून के तहत शराब के कारोबार में उपयोग में आने वाले पशु, वाहन, वर्तन या अन्य सवारी के अधिग्रहण का अधिकार होगा। कलक्टर के आदेश से जब्त मादक वस्तु नष्ट कर दिए जाएंगे। विभागीय मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि शराबबंदी कानून को राज्य की जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। समाज के सभी वर्गो, खास कर महिलाओं और कमजोर वर्ग के लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में चल रहे समाज सुधार अभियान में शामिल होने के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि व्यापक जनता शराबबंदी कानून का समर्थन कर रही है।

पंजाब सीएम भगवंत मान ने की और दो बड़े फैसले की घोषणा, स्कूलों में फीस नहीं बढ़ाने का आदेश

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दो और बड़े फैसलों की घोषणा की है। सीएम भगवंत मान ने कहा कि पंजाब सरकार ने शिक्षा को लेकर दो बड़े फैसले किए हैं। राज्य के निजी स्कूलों को इस सेमेस्टर में प्रवेश शुल्क नहीं बढ़ाने के आदेश दिए गए हैं। यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इसके साथ ही स्कूल प्रबंधन किसी खास दुकान से यूनिफार्म खरीदने को नहीं कह सकते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि अब कोई भी प्राइवेट स्कूल बच्चों के अभिभावकों को किसी खास दुकान पर जाकर यूनिफार्म और किताबें खरीदने के लिए नहीं कहेगा। स्कूल उस इलाके की सभी दुकानों पर अपनी किताबें और यूनिफार्म उपलब्ध कराएंगे, अभिभावक अपनी पसंद की किसी भी दुकान से किताबें और यूनिफार्म खरीद सकेंगे। बता दें कि पंजाब में निजी स्कूलों द्वारा हर साल निजी स्कूलों द्वारा फीस बढ़ाए जाने से अभिभावकों को परेशानी होती है और उनकी जेब पर भार पड़ता है। इसी तरह निजी स्कूलों पर अभिभावकों को किसी खास दुकान से किताबें व यूनिफार्म खरीदने को मजबूर करने के भी आरोप लगते हैं। अधिकतर निजी स्कूल कुछ खास दुकानों पर ही अपनी किताबें और यूनिफार्म उपलब्ध करवाते हैं। इन दुकानों पर अभिभावकों से मनमानी रकम वसूल की जाती है। बता दें कि पंजाब की सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान एक के बाद बड़े फैसलों की घोषणाएं कर रहे हैं। वह ये घोषणा अपने मीडिया रूम से वीडियो संदेश के माध्यम से कर रहे हैं। भगवंत मान की घोषणाओं का पंजाब में लोग व्यापक स्तर पर स्वागत कर रहे हैं। भगवंत मान ने इससे पहले पूर्व विधायकों की अलग - अलग पेंशन को बंद कर उन्हें सभी कार्यकाल के लिए एक ही पेंशन देने का ऐलान किया था। इसके साथ ही वीआइपी सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मी को वापस लेने की घोषणा भी थी। भगवंत मान ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए हेल्पलाइन नंबरों की भी घोषणा की थी। इस पर मिली शिकायतों के आधार पर अब तक कई कर्मचारियों व अधिकारियों पर कार्रवाई हो चुकी है। इसके अलावा उन्होंने घर-घर राशन डिलीवरी स्कीम की घोषणा की थी। सीएम भगवंत मान आज से पहले करीब 10 घोषणाएं कर चुके थे।

RRR की बॉक्स ऑफिस सक्सेस पर बोलीं कंगना रनोट- 'राजामौली को अपने देश और धर्म से प्यार है

नई दिल्ली। एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर बॉक्स ऑफिस पर हर रोज सफलता के नये कीर्तिमान बना रही है। रिलीज के सिर्फ पांच दिनों में आरआरआर के हिंदी वर्जन ने 100 करोड़ का

पड़ाव पार कर लिया है। वहीं, वर्ल्डवाइड स्तर पर फिल्म 500 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर चुकी है। इंडस्ट्री एक बार फिर राजामौली की सिनेमाई विजन और स्क्रीन पर कहानियों को दिखाने के उनके तरीके से प्रभावित है। अब कंगना ने राजामौली की तारीफ में सोशल मीडिया में एक पोस्ट की है, जिसमें उन्होंने निर्देशक को सिनेमा के इतिहास का महानतम फिल्मकार करार दिया है। कंगना ने इंस्टा स्टोरी में लिखा- एसएस राजामौली ने साबित कर दिया कि वो भारत के सबसे महान फिल्मकार हैं। उन्होंने एक भी असफल फिल्म नहीं दी है। मगर, उनके बार में सबसे अहम बात उनकी कामयाबी नहीं है, बल्कि एक कलाकार के तौर पर उनकी विनम्रता, व्यक्ति के तौर पर सादगी और अपने देश और धर्म के लिए उनका प्यार है। आपके जैसा रोल मॉडल होना खुशकिस्मती है। कंगना ने खुद को उनका फैन बताया है। कंगना ने आगे लिखा कि वो परिवार के साथ फिल्म देखने जा रही हैं। यहां बताते चलें, राजामौली के पिता केवी विजयेंद्र ने कंगना रनोट की फिल्म मणिकर्णिका- द क्वीन ऑफ झांसी और थलाइवी की स्क्रिप्टिंग की थी। वहीं, अब सीता- द इनकारनेशन की स्क्रिप्ट लिख रहे हैं। कंगना फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पसंद और नापसंद को लेकर काफी मुखर रही हैं और खुलकर इंडस्ट्री को लेकर कमेंट करती हैं। आरआरआर एक उत्सव की तरह विभिन्न भाषाओं में सेलिब्रेट की जा रही है। फिल्म की कहानी ब्रिटिश हुकूमत के कालखंड में दिखायी गयी है और 1920 में स्थापित है। राम चरण और एनटीआर जूनियर ने फिल्म में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मुख्य भूमिकाएं निभायी हैं। अजय देवगन और आलिया भट्ट भी फिल्म का हिस्सा हैं। वहीं, कई विदेशी कलाकारों ने अहम किरदार निभाये हैं। कंगना की फिल्मों की बात करें तो उनकी अगली रिलीज धाकड़ है, जो सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खुद से जूझते सुपर हीरो की कहानी में दिल जीतता है मारवल का 'ऑस्कर'

नई दिल्ली। मारवल इस बार एक ऐसे सुपर हीरो की कहानी लेकर आया है, जो किसी सुपर पॉवर से लैस होने के बजाए खुद अपने आप से जूझ रहा है। मानसिक विकार का शिकार है और उससे बचने के लिए खुद ही भाग रहा है। उसकी सुपर पॉवर उसकी अपनी शख्सियत का हिस्सा नहीं, बल्कि उसके मानसिक रोग डिसोसिएटिव आइडेंटिटी डिसऑर्डर का नतीजा है। अपनी पहचान को लेकर वो असमंजस में है। डरा हुआ है। उसकी दूसरी शख्सियत की आवाजें उसके मस्तिष्क में गूंजती हैं और वो इससे बचने की कोशिशें कर रहा है। मून नाइट मारवल का सबसे उलझा हुआ सुपर हीरो है। अगर मारवल सिनेमैटिक यूनिवर्स के बाकी सुपर हीरोज को देखें तो वो उनकी ताकत किसी वैज्ञानिक प्रयोग का नतीजा है (बैटमैन या कैप्टन अमेरिका) या प्राकृतिक तौर पर उनमें कोई शक्ति समायी हुई (डॉ. स्ट्रेंज या थॉर) है, मगर मून नाइट विकारों से निकला सुपर हीरो है। स्टीवन ग्रांट नाम का सीधा-सादा आदमी मार्क स्पेक्टर में बदलता है तो बनता है मून नाइट। मार्क या मून नाइट को स्टीवन का

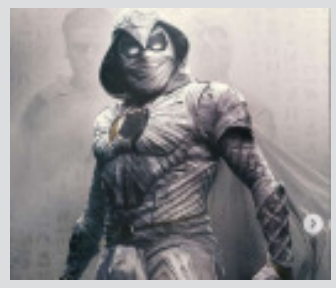

ऑल्टर ईगो भी कह सकते हैं। छह एपिसोड्स में फैली मारवल के इस नये सुपर हीरो की सीरीज मून नाइट 30 मार्च को डिजने प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो गयी है। मून नाइट में स्टीवन ग्रांट और मार्क स्पेक्टर की दोहरी भूमिका में ऑस्कर आइजाक है, जो छह ऑस्कर अवार्ड जीतने वाली फिल्म ड्यून का भी हिस्सा रहे हैं। इजिप्शियन माइथोलॉजी के देवताओं की आपसी खींचतान को समेटे हुए मून नाइट वो एक बेहतरीन विजुअल एक्सपीरिएंस है। रिव्यू के लिए उपलब्ध करवाये गये चार एपिसोड्स में मून नाइट के व्यक्तित्व और भविष्य में उसके सामने आने वाली चुनौतियों का अंदाजा हो जाता है। सीरीज स्टीवन ग्रांट की दिनचर्या से शुरू होती है। नम्र स्वभाव का स्टीवन लंदन के इजिप्शियन हिस्ट्री शो रूम में काम करता है। देखने में बेहद सामान्य लगने वाला स्टीवन अपनी दूसरी शख्सियत मार्क स्पेक्टर से जूझ रहा है, जो उसके अवचेतन मस्तिष्क में बसा है और उसे कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है। उससे जुड़ी घटनाओं की झलकियां स्टीवन के लिए नाइटमेयर बन गयी है। रातों की नींद भी उसे डराने लगी है। इजिप्शियन माथोलॉजी के हिसाब के मार्क खोंशु देवता का मानवीय रूप है, जो चांद से अपन ताकत लेता है और नुकीला चांद ही उसका प्रतीक और हथियार है। सीरीज के इस छोर पर स्टीवन ग्रांट है तो दूसरे छोर पर आर्थर हैरो है, जो इजिप्शयन माइथोलॉजिकल फिगर एमिट का इंसानी रूप है। एक कल्ट लीडर के रूप में आर्थर दुनिया सुधारने निकला है। स्टीवन के स्वपनों में आर्थर और उसके कामों की भी झलकियां हैं। आर्थर दुनिया को पवित्र बनाने के लिए ऐसे लोगों को आज खत्म कर रहा है, जो भविष्य में बुरे काम कर सकते हैं और उसके रास्ते का रोड़ा मून नाइट है। सीरीज के शुरुआती एपिसोड्स में हीरो और विलेन के बीच की लकीर स्पष्ट नहीं हो सकी है। सीरीज में कई जगह दर्पण, पानी या कांच में दिख रही छवि के जरिए स्टीवन अपने ऑल्टर ईगो मार्क से बात करते हुए नजर आता है। इन दृश्यों में ऑस्कर बिल्कुल दो अलग इंसान नजर आते हैं। ऑस्कर ने शो लॉन्च की प्रेस वार्ता में बताया था कि इन दृश्यों की तैयारी के लिए वो अपने भाई माइकल हरनेनडिज को सेट पर लाते थे, जो दूसरी शख्सियत वाला किरदार निभाते थे और ऐसे बात करते थे। आर्थर हैरो के रोल मे ईथन हॉक की अदाकारी कमाल की है। यह किरदार एक आध्यात्मिक इंसान और ताकतवर विलेन का मिश्रण है। आकियोलॉजिस्ट लायला एल फाउली और मार्क की एसोसिएट का किरदार मे कालामावी ने निभाया है। अपने लुक्स और अदाकारी के लिहाज से लायला इस किरदार में बिल्कुल फिट लगी है। उन्हें देखकर कहीं-कहीं द ममी की एवलिन कारनाहन (रेचल वीज) की याद आती है। हेड राइटर जेरेमी स्लेटर के लेखन में मून नाइट सीरीज साइकोलॉजिकल थ्रिलर, हॉरर, कॉमेडी, एक्शन और एडवेंचर जैसे जानर्स का आनंद देती है। चार एपिसोड्स निर्देशक मोहम्मद डियाब ने निर्देशित किये हैं, जिन्हों ने इजिप्शियन माइथोलॉजी के परिदृश्य को बड़े दिलचस्प तरीके से सामने रखा है। दो एपिसोड्स के निर्देशक जस्टिन बेनसन और आरोन मूरहेड है। मारवल और सुपर हीरो जॉनर के फैंस के लिए मून नाइट बेहतरीन पेशकश है, जो अपनी कहानी और किरदारों से असर छोड़ती है और हां, आयरमैन के अंदाज में मून नाइट का सूट शरीर पर आना आपको अच्छा लगेगा।

'द कश्मीर फाइल्स', की रिलीज के बाद हर दिन घट रही कमाई

नई दिल्ली। 200 करोड़ क्लब में पहुंच चुकी विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स हिंदी सिनेमा की सबसे सफल फिल्मों में शामिल हो चुकी है और ट्रेड

इसे ब्लॉकबस्टर का दर्जा दे चुका है। हालांकि, राजामौली की आरआरआर की रिलीज के बाद द कश्मीर फाइल्स काफी प्रभावित हुई है और इसकी रफ्तार धीमी हुई है। तीसरे हफ्ते में चल रही है फिल्म का नेट कलेक्शन तीसरे मंगलवार को 3 करोड़ से भी नीचे पहुंच गया। 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म ने 29 मार्च को रिलीज के 19 दिन पूरे कर लिये और फिल्म ने 2.75 करोड़ का नेट कलेक्शन किया, जिसके द कश्मीर फाइल्स का 19 दिनों का नेट कलेक्शन अब 234.03 करोड़ हो चुका है। इससे पहले तीसरे सोमवार को फिल्म ने 3.10 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था। आरआरआर की रिलीज के बाद अगर द कश्मीर फाइल्स के कलेक्शंस पर गौर करें तो तस्वीर कुछ इस तरह बनती है। 25 मार्च (शुक्रवार) को आरआरआर रिलीज हुई और 20 करोड़ के आस-पास ओपनिंग ली, जबकि द कश्मीर फाइल्स का यह तीसरा शुक्रवार था और कलेक्शंस रहे 4.50 करोड़। 26 मार्च को द कश्मीर फाइल्स के कलेक्शंस में उछाल आया और 7.60 करोड़ जमा किये। वहीं, आरआरआर ने 24 करोड़ का कलेक्शन किया। 27 मार्च को द कश्मीर फाइल्स के आंकड़े फिर बढ़े और कलेक्शन रहा 8.75 करोड़, जबकि आरआरआर के कलेक्शंस पहुंचे 31.50 करोड़ पर। द कश्मीर फाइल्स ने अब तक जिस तरह चौंकाया है, उस ट्रेंड को देखते हुए द कश्मीर फाइल्स के बॉक्स ऑफिस कलेक्शंस से उम्मीद बाकी है कि आने वाले दिनों में कलेक्शंस 250 करोड़ तक पहुंच सकते हैं। द कश्मीर फाइल्स के सामने आरआरआर से पहले अक्षय कुमार की फिल्म बच्चन पांडेय की चुनौती भी आयी थी, जो 18 मार्च को सिनेमाघरों में उतरी थी, मगर दर्शकों ने बच्चन पांडेय के मुकाबले द कश्मीर फाइल्स को तरजीह दी। बच्चन पांडेय ने 50 करोड़ के आसपास कलेक्शन किया है।

अभिनेता व सांसद रवि किशन के भाई रमेश शुक्ला का दिल्ली के एम्स अस्पताल में हुआ निधन

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता व सांसद रवि किशन के भाई रमेश शुक्ला का दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया है उन्होंने इस आज मेरे बड़े भाई श्री रमेश शुक्ला जी का एम्स हॉस्पिटल दिल्ली में दुःखद निधन हो गया है बहुत कोशिश किया पर बड़े भईया को नहीं बचा

बात की जानकारी सोशल मीडिया पर दी है इसके साथ उन्होंने भाई रमेश शुक्ला की एक तस्वीर भी शेयर की है फोटो शेयर करते हुए रवि किशन ने लिखा है' दुःखद समाचार सका, पिता जी के बाद बड़े भाई का जाना पीड़ा दायक महादेव आपको अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें कोटि कोटि नमन ओम शांति' इसके साथ रवि किशन ने भाई रमेश शुक्ला की एक तस्वीर भी शेयर की है उन्होंने भाई के निधन की जानकारी दोपहर 12:16 मिनट पर सोशल मीडिया पर दी है इसके बाद उनके भाई को श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लग गया है डॉक्टर कुमार विश्वास ने लिखा है, 'ईश्वर आदरणीय भाईसाहब को अपने श्रीचरणों में यथेष्ट स्थान व परम शांति प्रदान करे शांति वहीं इसके अलावा कई लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि वाले संदेश भी भेजे हैं गौरतलब है कि रवि किशन गोरखपुर से सांसद है इसके अलावा वह फिल्म अभिनेता भी हैं उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है वह भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में काफी विख्यात है।रवि किशन ने कई फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभाई है इसके अलावा वह राजनीति में भी काफी सक्रिय भूमिका निभाते है रवि किशन ने कई कलाकारों के साथ काम किया है वह जल्द कई फिल्मों में नजर आनेवाले है रवि किशन के भाई के निधन से उनके परिवार और मित्रगणों में दुख की लहर छा गई है

प्रभास की 'राधे श्याम' समेत इस हफ्ते OTT पर आ रही हैं ये वेब सीरीज और फिल्में

नई दिल्ली। इस वक्त सिनेमाघरों में जहां राजामौली की आरआरआर का दमखम दिख रहा है, वहीं ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर इस हफ्ते एक से बढ़कर फिल्में और सीरीज रिलीज होने वाली हैं। इनमें इसी साल रिलीज हुई तेलुगु फिल्म राधे श्याम भी है, जिसमें प्रभास और पूजा हेगड़े लीड रोल्स में हैं। इसके अलावा ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म शर्माजी नमकीन भी ओटीटी पर इसी हफ्ते आएगी। चलिए, आपको इस हफ्ते की पूरी लिस्ट से रू-ब-रू करवाते हैं। 30 मार्च को डिजनी हॉटस्टार पर सुपर हीरो

वेब सीरीज मून नाइट आ रही है। मारवल की इस सीरीज के साथ एमसीयू में एक नये सुपर हीरो मून नाइट की एंट्री होने वाली है। यह वेब सीरीज अंग्रेजी के अलावा हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। सीरीज में ऑस्कर आइजाक टाइटल रोल में हैं। मून नाइट की कहानी इजिप्ट में दिखायी गयी है और इसमें इजिप्ट की माइथोलॉजी का भी समावेश किया गया है।यह सीरीज एक ऐसे शख्स स्टीवन ग्रांट की कहानी है, जो एक गिफ्ट शॉप में काम करता है, मगर डबल आइडेंटिटी डिसऑर्डर का शिकार है और दूसरी पर्सनैलिटी मार्क स्पेक्टर की है, जो मर्सिनरी रह चुका है और इजिप्शियन गॉड का अवतार है। सीरीज में ईथन हॉक और मे कालामावी मुख्य किरदारों में दिखेंगे। 31 मार्च को प्राइम वीडियो पर शर्माजी नमकीन रिलीज होगी। हितेश भाटिया के निर्देशन में बनी फिल्म में स्वर्गीय वेटरन एक्टर ऋषि कपूर लीड रोल में हैं। यह उनकी आखिरी फिल्म है। 30 अप्रैल 2020 को उनका निधन होने के बाद फिल्म को परेश रावल ने इस फिल्म को पूरा किया। फिल्म में जूही चावला, ईशा तलवाल, शीबा चड्ढा, आयशा रजा, सतीश कौशिक और परमीत सेठी अहम किरदारों में दिखेंगे। पहली अप्रैल को प्राइम वीडियो पर ही राधे श्याम तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड में रिलीज हो जाएगी। हिंदी दर्शकों को अभी और इंतजार करना होगा। अलबत्ता, अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ वो इस फिल्म को देख सकते हैं। राधे श्याम 11 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और फिल्म 21 दिन की विंडो के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ रही है। राधे श्याम दक्षिण भारत से आ रही उन फिल्मों में शामिल है, जो पैन-इंडिया रिलीज हो रही है और जिनको लेकर हाइप काफी अधिक है, मगर राधा कृष्ण कुमार निर्देशित फिल्म बॉक्स ऑफिस ढेर हो गयी थी। फिल्म में पूजा हेगड़े फीमेल लीड रोल में हैं। पहली अप्रैल को डिजने प्लस हॉटस्टार पर स्पोर्ट्स फिल्म कौन प्रवीण ताम्बे आ रही है। यह फिल्म आईपीएल खिलाड़ी प्रवीण ताम्बे की बायोपिक है, जो राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं और 41 साल की उम्र में आईपीएल डेब्यू किया था। जयप्रद देसाई निर्देशित फिल्म में श्रेयस तलपड़े प्रवीण ताम्बे बने हैं। उनके अलावा आशीष विद्यार्थी, परमब्रत चटर्जीऔर अंजलि पाटिल अहम किरदारों में नजर आएंगे। इनके अलावा इस हफ्ते 30 मार्च को नेटफ्लिक्स पर टेनेट स्ट्रीम कर दी जाएगी। अगर क्रिस्टोफर नोलन की यह फिल्म अभी तक नहीं देख सके हैं तो नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं। 31 मार्च को डॉग्स वे होम और पहली अप्रैल को डांस फिल्म बैटल फ्रीस्टाइल और आ रही है।

'देवों के देव महादेव' की 'पार्वती' ने ट्रांसपेरेंट ब्लैक शर्ट में शेयर कर दी अपनी ऐसी बोल्ड तस्वीरें, एक्ट्रेस का ऐसा रूप देखकर हैरान हुए फैंस

नई दिल्ली। अन्दह ख अन् टीवी शो फेमस धार्मिक शो 'देवों के देव महादेव' के हर किरदार ने दर्शकों के बीच अपनी खास जगह बनाई है। फिर चाहे वो महादेव के रोल में मोहित रैना हो, मौनी रॉय या फिर पार्वती के किरदार में हर किसी का दिल जीतने वाली पूजा बनर्जी। इस शो से पूजा को फैंस के बीच खास पहचान मिली है। पूजा ने पर्दे पर भी ही संस्कारी किरदार निभाया हो लेकिर असल जिंदगी में वह काफी बोल्ड हैं। एक्टिंग के साथ पूजा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। इसी बीच एक बार फिर से पूजा ने अपनी हॉट तस्वीरों से इंटरनेट पर गदर मचा दिया है। यहां देखें तस्वीरें'पार्वती' यानी पूजा बनर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में फिर से एक्ट्रेस का बोल्ड लुक उनके फैंस को हैरान करता नजर आ रहा है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि पूजा बनर्जी ब्लैक कलर की ट्रांसपेरेंट शर्ट पहने नजर आ रही हैं। इस तस्वीर में पूजा बनर्जी के शर्ट के कुछ बटन ओपन हैं और वह कैमरे को निहारते हुए दिखाई दे रही हैं। उनकी शर्ट इनती ज्यादा पारदर्शी है कि उनकी ब्रालेट और उनके क्लीवेज साफ दिख रहे हैं। पूजा बनर्जी ने इस तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- 'शांति मुस्कुराहट के साथ शुरू होती है।' वहीं अगर एक्ट्रेस के लुक की बात करें तो उन्होंने अपने बालों को ओपन रखने के साथ ही सटल मेकअप किया है। वहीं उनका ये किलर लुक फैंस को घायल करता नजर आ रहा है। हमेशा की तरह ही पूजा की इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं कमेंट यूजर्स उन्हें हॉट, बोल्ड और फायद बता रहे हैं।

कैमरे में कैद हुआ तैमूर और इनाया खेमू का क्यूट मोमेंट

नई दिल्ली। एक्ट्रेस करीना कपूर खान और सैफ अली खान के बेटे तैमूर सोशल मीडिया पर अपनी एक्टिविट को लेकर खासी सुर्खियों में रहते हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर तैमूर के फोटोज वीडियो वायरल होते रहते हैं। अब इंटरनेट पर उनकी एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वो इनाया खेमू के साथ खेलते हुए दिख रहे हैं। तैमूर अली खान और इनाया खेमू की इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर सैफ अली खान की बहन सबा अली खान ने साझा की है। इस फोटो में इनाया व्हाइट कलर की फ्रॉक पहने दिख रही है, तो तैमूर सफेद रंग का कुर्ता पहने हुए दिख रहे हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि तैमूर हाथ से अपनी आंख को ढक रहे हैं, जबकि इनाया उनके हाथ को पकड़ते हुए मुस्कुरा रही हैं। तस्वीर में इनाया और तैमूर बेहद क्यूट दिख रहे हैं। इनाया और तैमूर की इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। साथ ही फैंस कमेंट कर दोनों की क्यूटनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। बात दें, ये कोई पहली बार नहीं है जब सबा ने अपने इंस्टाग्राम पर थ्रोबैक तस्वीरों को शेयर किया है। वो अक्सर अपने पैतृक घर पटौदी पैलेस और परिवार के सदस्यों की पुरानी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वो केवल तैमूर अली खान और इनाया खेमू की नहीं बल्कि सारा और इब्राहिम अली खान की भी अनदेखे फोटोज फैंस के साथ शेयर करती हैं। जानकारी के अनुसार अभिनेता की बहन सबा

अली खान पेशे से ज्वैलरी डिजाइनर हैं। बात अगर करीना कपूर खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में आमिर खान के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म में साल 1994 में आई अमेरिकी फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' का रीमेक है। ये फिल्म प्रोटागोनिस्ट्स की यात्रा के अलग-अलग टाइम पीरियड में फैली हुई है। अब ये फिल्म 11 अगस्त, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा करीना नेटफ्लिक्स की ओरिजनल फिल्म में ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म का निर्माण सुजॉय घोष के निर्देशन में किया जाएगा।

रामायण' की सीता ने पति संग शेयर की रोमांटिक तस्वीरें

नई दिल्ली। रामानंद सागर के फेमस धार्मिक शो 'रामायण' में सीता के किरदार को काफी पसंद किया गया था। शो में सीता का रोल एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया ने ?निभाया है। दीपिका को अपने इस किरदार से जो पहचान मिली उसे कोई कभी भूल नहीं सकता। दीपिका एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। वह अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियोज के साथ खास मौके पर भी पोस्ट शेयर करना नहीं भूलती है। इसी बीच दीपिका ने अपने पति हमेंत टोपीवाला के साथ बिताए गए खास पलों की तस्वीरें शेयर की है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।